संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 235
पृष्ठ : 08
मूल्य :1.00
मंगलवार 24 नवम्बर 2026

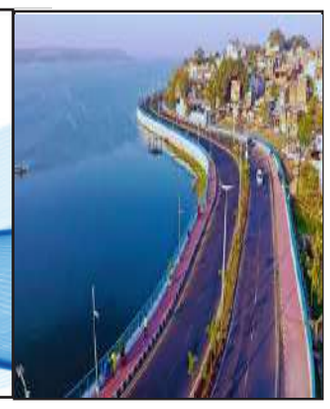
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

राजनाथ बोले- डिग्री पहला मौका देगी, पहचान हुनर से बनेगी

कॉन्फिडेंस होगा तो चैलेंज का सामना करेंगे; पिछलग्गू मत बनिए



लखनऊ(एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में ग्रैजुएट्स से कहा कि डिग्री आपको नौकरी का पहला मौका देगी। लेकिन, उसके बाद पहचान आपके ज्ञान और हुनर से बनेगी। आपके अंदर कॉन्फिडेंस होगा तो कैसा भी चैलेंज आए, आप उसका सामना कर लेंगे। किसी का पिछलग्गू मत बनिए। आगे बढ़िए। राजनाथ सिंह ने यह बात रविवार को बाबू बनारसी दास (BBD) यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में कही। वह इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने मंच पर मेधावियों को डिग्रियां दीं और मेडल पहनाए। BBD यूनिवर्सिटी कैंपस स्थित डॉ. अखिलेश दास गुप्ता स्टेडियम में सुबह 11:30 बजे से समारोह शुरू हुआ। समारोह में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। यूनिवर्सिटी के चांसलर, वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार, फैकल्टी और स्टाफ भी मौजूद रहे। राजनाथ सिंह ने कहा- अंत में मैं आपसे भगवद्गीता के एक श्लोक के माध्यम से अपनी बात कहना चाहता हूं। कुरुक्षेत्र में अर्जुन अपने परिजनों, गुरुजनों और मित्रों को सामने देखकर विचलित हो गए थे। तब श्रीकृष्ण ने उन्हें गीता का उपदेश दिया।अंत में उन्होंने कहा था- यथेच्छसि तथा कुरु। यानी जैसी तुम्हारी इच्छा हो, वैसा करो। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अपनी बात समझाई और फिर निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी। मैं भी आपसे यही कहना चाहता हूं कि मैंने अपने विचार आपके सामने रखे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप मेरे विचारों से बंधकर रहें।

गुजरात में दो सड़क हादसों में 10 मौतें

7 मृतक सेना के जवानों के परिवारों से थे; स्विफ्ट में आग से 3 जिंदा जले, इन्फ्लुएंसर बची



अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में रविवार सुबह दो सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा कच्छ में हुआ, जहां ट्रक और कार की टक्कर में 7 लोगों की जान चली गई। हादसा इतना भयानक था कि कार दो हिस्सों में बंट गई। दूसरा हादसा केशोद-बालागाम रोड पर हुआ। जूनागढ़ से माधवपुर जा रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें आग लग गई। कार में सवार चार में से तीन लोगों की जलकर मौत हो गई। इन्फ्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा शीशा टूटने के बाद बाहर गिरीं, जिससे जान बच गई। कच्छ में हादसा शनिवार रात करीब 10 बजे हुआ। ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर हुई। कार में सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। इनमें एक बच्चा सिर्फ तीन महीने का था। सभी मृतक उत्तराखंड के गढ़वाल के रहने वाले थे और भुज में तैनात सेना के जवानों के परिवारों से थे। वे रण ऑफ कच्छ घूमकर भुज लौट रहे थे, तभी नेशनल हाईवे पर हादसा हो गया। टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसमें फंसे शवों को बाहर निकालने में बचाव दल को कई घंटे लगे। मृतकों की पहचान सौरभ सिंह नेगी (30), उनकी पत्नी सविता (30) और उनकी तीन महीने की बेटी शिविका के रूप में हुई है। इनके अलावा राजेश सिंह रावत (35), उनकी सात साल की बेटी रक्षित, रिंकी गोसाई (30) और उनकी चार साल की बेटी वामिका की भी मौत हुई है। वहीं, रविवार सुबह करीब 5 बजे केशोद-बालागाम रोड पर घामिडाना गांव के पास लाल रंग की स्विफ्ट कार हादसे का शिकार हो गई। कार तेज रफ्तार के कारण मोड़ पर सड़क किनारे पत्थर से टकराकर पलट गई और उसमें आग लग गई।

'सपा-कांग्रेस भाजपा को हराने के लिए गंभीर नहीं

चंद्रशेखर आजाद ने उठाए सवाल, मायावती पर बोला हमला; दिया ऑफर



आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने रविवार को दावा किया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भाजपा को हराने के लिए गंभीर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा को एकजुट होकर चुनौती देने के लिए 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' में शामिल होने के द्वार इन दलों के लिए खुले हैं। नगीना सांसद आजाद ने समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में यह बात कही। आजाद ने बताया कि उन्होंने सभी विपक्षी दलों से गठबंधन बनाने के लिए संपर्क किया था। उन्होंने जिम्मेदार नेताओं को औपचारिक संदेश भी भेजे थे। जब उन्हें लगा कि वे साथ नहीं आना चाहते, तो उन्होंने अलग मोर्चा बनाने का फैसला किया। उनका अनुभव बताता है कि भाजपा को हराने के लिए बड़े वोट शेयर वाले बड़े गठबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने 2017 और 2022 के चुनावों का उदाहरण दिया। आजाद ने सपा-कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे 2017, 2019, 2022 और 2024 में भी गंभीर नहीं थे। उन्होंने कहा कि इन विपक्षी दलों में भाजपा को रोकने की इच्छा नहीं है। गरीब और कमजोर लोगों पर अत्याचार होते हैं, लेकिन इन नेताओं को कोई कष्ट नहीं होता। आजाद ने दावा किया कि मायावती के नेतृत्व वाली बसपा में लोगों का विश्वास कम हुआ है। उन्होंने बताया कि 2007 में बसपा का वोट शेयर 30 फीसदी था, जो अब घटकर नौ फीसदी रह गया है। यह 21 फीसदी का अंतर दशार्ता है कि चुनाव दर चुनाव लोगों का विश्वास घटा है। उन्होंने कहा कि आज बसपा का लोकसभा, विधानसभा या राज्यसभा में एक भी प्रतिनिधि नहीं है। इसके विपरीत, आजाद समाज पार्टी का समर्थन आधार लगातार बढ़ रहा है।

यूपी: 75 जिलों में 10 मिनट का हुआ ब्लैकआउट

सायरन बजते ही बंद हुई बिजली, लखनऊ में सीएम योगी ने देखा मॉकड्रिल



लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में रविवार शाम छह बजे सभी 75 जिलों में एक साथ एयर रेड और ब्लैकआउट मॉकड्रिल आयोजित की गई। युद्ध जैसी परिस्थितियों और संभावित आपातकालीन हालात से निपटने की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से आयोजित इस अभ्यास के दौरान कई स्थानों पर करीब 10 मिनट तक ब्लैकआउट किया गया। सायरन बजते ही संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई और लोगों को आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। लखनऊ की रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित मुख्य मॉकड्रिल का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाम छह बजे पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की तैयारियों, आपसी समन्वय और आपातकालीन स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों की क्षमता का निरीक्षण किया। अभ्यास में पुलिस, नागरिक सुरक्षा, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), फायर ब्रिगेड और स्वास्थ्य विभाग की टीमें शामिल हुईं। मॉकड्रिल के दौरान एयर रेड की चेतावनी देने वाला सायरन करीब दो मिनट तक बजाया गया। सायरन बजते ही संबंधित इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। इसके साथ ही प्रशासन और नागरिक सुरक्षा विभाग की टीमों ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत आपातकालीन परिस्थितियों में की जाने वाली कार्रवाई का अभ्यास किया। करीब 10 मिनट तक चले ब्लैकआउट के माध्यम से बिजली बंद करने की व्यवस्था और संबंधित एजेंसियों की तैयारियों को परखा गया। अभ्यास का प्रमुख उद्देश्य यह जांचना था कि किसी भी आपात स्थिति में विभिन्न विभाग कितनी तेजी और प्रभावी ढंग से एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित कर सकते हैं। मॉकड्रिल के दौरान राहत एवं बचाव दलों ने आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने और प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य संचालित करने की तैयारियों का प्रदर्शन किया। नागरिक सुरक्षा विभाग की ओर से लोगों को पहले ही मॉकड्रिल के संबंध में जानकारी देकर आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की गई थी। नागरिकों से कहा गया था कि सायरन बजने पर घबराएं नहीं और घर अथवा किसी सुरक्षित स्थान के भीतर रहें। अनावश्यक रोशनी बंद रखें तथा बच्चों और पालतू जानवरों का विशेष ध्यान रखें। साथ ही प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह अभ्यास किसी वास्तविक हमले की सूचना नहीं था, बल्कि युद्ध जैसी परिस्थितियों और अन्य आपातकालीन घटनाओं के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सरकारी एजेंसियों की तैयारियों को मजबूत बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा था।

दिल्ली से अगवा 8 महीने का बच्चा यूपी से मिला

तीन गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पांडव नगर से शनिवार को अगवा किए गए 8 महीने के बच्चे को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के वाजिदपुर गांव से बरामद कर लिया है। मामले में एक दंपती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, बच्चे की मां ई-रिक्शा चलाती है। वह काम पर गई थी और बच्चा केयरटेकर की देखरेख में था। इसी दौरान एक व्यक्ति उसे लेकर फरार हो गया। मां की शिकायत पर मंडावली थाने में अपहरण का केस दर्ज किया गया था। जांच में पता चला कि आरोपी दंपती की पहले से तीन बेटियां हैं। वे परिवार का नाम और विरासत आगे बढ़ाने के लिए बेटा चाहते थे। पुलिस अब इस मामले में बाल तस्करी के पहलुओं की भी जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में केयरटेकर ने जानकारी दी कि वह सुबह करीब 11:30 बजे गणेश नगर से कुछ सामान खरीदने गई थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात एक अनजान व्यक्ति से हुई, जो बाद में बच्चे को लेकर चला गया। इसके बाद पुलिस ने इलाके के CCTV फुटेज खंगाले और आरोपी के भागने के संभावित रास्तों की जांच की। फुटेज में एक व्यक्ति बच्चे को लेकर भागता दिखाई दिया। पुलिस ने इलाके के वाजिदपुर गांव से बरामद कर लिया है। मामले में एक दंपती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, बच्चे की मां ई-रिक्शा चलाती है। वह काम पर गई थी और बच्चा केयरटेकर की देखरेख में था। इसी दौरान एक व्यक्ति उसे लेकर फरार हो गया। मां की शिकायत पर मंडावली थाने में अपहरण का केस दर्ज किया गया था। जांच में पता चला कि आरोपी दंपती की पहले से तीन बेटियां हैं। वे परिवार का नाम और विरासत आगे बढ़ाने के लिए बेटा चाहते थे। पुलिस अब इस मामले में बाल तस्करी के पहलुओं की भी जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में केयरटेकर ने जानकारी दी कि वह सुबह करीब 11:30 बजे गणेश नगर से कुछ सामान खरीदने गई थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात एक अनजान व्यक्ति से हुई, जो बाद में बच्चे को लेकर चला गया। इसके बाद पुलिस ने इलाके के CCTV फुटेज खंगाले और आरोपी के भागने के संभावित रास्तों की जांच की। फुटेज में एक व्यक्ति बच्चे को लेकर भागता दिखाई दिया। पुलिस ने एक मिनी ट्रक के ड्राइवर ऋषिपाल (40) की पहचान की। वह मथुरा का रहने वाला है और ट्रक चलाता है। पुलिस को पता चला कि ऋषिपाल ने बच्चे को अलीगढ़ जिले के वाजिदपुर गांव में छत्रु नाम के व्यक्ति को सौंपा था। पुलिस के मुताबिक, छत्रु (50) पेशे से किसान है। उसकी पत्नी कुसमा (45) भी इस मामले में आरोपी है। दोनों वाजिदपुर गांव के रहने वाले हैं और छत्रु, ऋषिपाल का दूर का रिश्तेदार है।

सोनिया गांधी का इटली वाला पुश्तैनी घर म्यूजियम बना



नई दिल्ली (एजेंसी)। इटली में सोनिया गांधी के पुश्तैनी घर को म्यूजियम के रूप में संरक्षित कर दिया गया है। यह जानकारी घर के मालिक सुखदेव सिंह कांग ने अमृतसर में दी। कांग ने गांधी परिवार को इस घर को देखने के लिए आने का न्योता दिया है। कांग ने बताया कि यह जगह केरलम से आने वाले भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करती है। पहले यहां ताला रहता था। अब केयरटेकर नियुक्त की गई है, जिससे पर्यटकों को घर में एंट्री मिल सके। घर में सोनिया के बचपन से लेकर भारत में राजनीतिक करियर तक की झलक मिलेगी। सोनिया गांधी का जन्म 9 दिसंबर 1946 को इसी गांव में हुआ था। सुखदेव सिंह कांग ने इसे 2020 में खरीदा था। कांग ने कहा कि इस संपत्ति को सोनिया गांधी की यात्रा को दिखाने वाले म्यूजियम के रूप में विकसित किया गया है। इटली में उनके शुरूआती वक्त से लेकर भारत में उनके प्रमुख राजनीतिक जीवन तक की कहानी दर्ज की जाएगी। कांग ने कहा, ह्गांधी परिवार जो भी चीजें देना चाहेगा, उन्हें घर के अंदर रखा जाएगा। यह म्यूजियम केवल सोनिया गांधी को समर्पित है और उनकी यादों को सहेजता है। कांग खुद ब्रेशिया में रहते हैं, जो लुसियाना से करीब 1 घंटे की दूरी पर है। कांग मूल रूप से पंजाब के होशियारपुर जिले के एक गांव के रहने वाले हैं। 1992 में इटली गए थे। शुरूआत में डेयरी फार्म, खेती और फैक्ट्री में काम किया, बाद में कारोबारी बने। कांग ने कहा कि हम इसकी ऐतिहासिक पहचान नहीं बदलना चाहते।

दिल्ली से अगवा 8 महीने का बच्चा यूपी से मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांडव नगर से शनिवार को अगवा किए गए 8 महीने के बच्चे को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के वाजिदपुर गांव से बरामद कर लिया है। मामले में एक दंपती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, बच्चे की मां ई-रिक्शा चलाती है। वह काम पर गई थी और बच्चा केयरटेकर की देखरेख में था। इसी दौरान एक व्यक्ति उसे लेकर फरार हो गया। मां की शिकायत पर मंडावली थाने में अपहरण का केस दर्ज किया गया था।
जांच में पता चला कि आरोपी दंपती की पहले से तीन बेटियां हैं। वे परिवार का नाम और विरासत आगे बढ़ाने के लिए बेटा चाहते थे। पुलिस अब इस मामले में बाल तस्करी के पहलुओं की भी जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में केयरटेकर ने जानकारी दी कि वह सुबह करीब 11:30 बजे गणेश नगर से कुछ सामान खरीदने गई थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात एक अनजान व्यक्ति से हुई, जो बाद में बच्चे को लेकर चला गया। इसके बाद पुलिस ने इलाके के उऊळश फुटेज खंगाले और आरोपी के भागने के संभावित रास्तों की जांच की। फुटेज में एक व्यक्ति बच्चे को लेकर भागता दिखाई दिया।

सोना 65 हजार रुपए सस्ता होने पर पीएम मोदी को लेटर

कारोबारी संगठन बोला: प्रधानमंत्री ने बचा लिया



नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने की कीमतों में आई भारी गिरावट को लेकर व्यापारियों के एक संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद पत्र लिखा है। दिल्ली-एनसीआर के व्यापारियों और कारोबारियों के संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) का कहना है कि प्रधानमंत्री की ओर से सोना नहीं खरीदने की अपील किए जाने के बाद अनेक व्यापारियों ने महंगे भाव पर सोने का भंडार खरीदने से परहेज किया। इससे उन्हें संभावित आर्थिक नुकसान से बचने में मदद मिली। संगठन ने प्रधानमंत्री की सलाह को दूरदर्शी बताते हुए भविष्य में भी बाजार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर मार्गदर्शन देने का अनुरोध किया है। सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल के अनुसार, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जरूरत नहीं होने पर सोना नहीं खरीदने की अपील की थी, उस समय सोने का भाव करीब 1.90 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम था। अब इसकी कीमत घटकर लगभग 1.25 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई है। इस प्रकार प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत में करीब 65 हजार रुपये की गिरावट आई है। वहीं प्रति किलोग्राम के हिसाब से देखें तो कीमत 1.90 करोड़ रुपये से घटकर 1.25 करोड़ रुपये रह गई है। संगठन का कहना है कि कीमतों में आई इस गिरावट से उन व्यापारियों को बड़ी राहत मिली, जिन्होंने ऊंचे भाव पर सोना खरीदकर अपने भंडार में नहीं रखा। बृजेश गोयल ने बताया कि देशभर में लाखों आभूषण कारोबारी अपने कारोबार को चलाने के लिए कई महीनों का सोना भंडार में रखते हैं। यदि व्यापारियों ने उस समय पुराने और महंगे भाव पर बड़ी मात्रा में सोना खरीद लिया होता तो कीमतों में आई गिरावट के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता था। उनके अनुसार, प्रति किलोग्राम सोने की कीमत में करीब 65 लाख रुपये की कमी आई है। ऐसे में बड़े स्तर पर सोने का भंडार रखने वाले कारोबारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ सकता था। उन्होंने बताया कि सीटीआई के व्यापारिक समूहों में भी अनेक कारोबारी संदेश भेजकर प्रधानमंत्री की सलाह के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री की अपील मानने के कारण वे महंगे भाव पर सोना खरीदने से बच गए और उन्हें संभावित नुकसान नहीं उठाना पड़ा। संगठन के मुताबिक, पहले इस सलाह को लेकर विरोध करने वाले कुछ व्यापारी और आभूषण कारोबारी भी अब इसके सकारात्मक प्रभाव की बात स्वीकार कर रहे हैं। सीटीआई का कहना है कि सोने की कीमतों में आई गिरावट का लाभ केवल व्यापारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि शादी-विवाह के लिए आभूषण खरीदने वाले परिवारों को भी राहत मिल रही है। संगठन के अनुसार, इस शादी के मौसम में देशभर में करीब 52 लाख शादियां होने का अनुमान है। ऐसे में सोने के दाम कम होने से उन परिवारों को आर्थिक राहत मिल सकती है, जिन्हें विवाह समारोह के लिए आभूषण खरीदने हैं। महंगे सोने के कारण जिन परिवारों का बजट प्रभावित हो रहा था, उनके लिए कीमतों में आई कमी राहत का कारण बन सकती है। संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि वे सोने और चांदी के बाजार को लेकर समय-समय पर व्यापारियों को मार्गदर्शन देते रहें।

थरूर बोले- नोटबंदी बिना ऑटो वाली बड़ी चोरी थी

जीटीए-6 खेलते हुए केंद्र सरकार पर साधा निशाना



नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लोकप्रिय वीडियो गेम ग्रैंड थेफ्ट ऑटो (जीटीए-6) खेलते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने नोटबंदी की तुलना इस खेल से करते हुए कहा कि नोटबंदी भी बिना ऑटो वाली एक बड़ी चोरी थी। थरूर ने कहा कि जीटीए के नए संस्करण को आने में 13 साल लग गए। इस दौरान दुनिया के साथ भारत में भी काफी बदलाव हुए हैं। उन्होंने देश में अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि लोगों में यह डर बढ़ रहा है कि कहीं उनकी बातें सरकार को पसंद न आ जाएं। शशि थरूर ने बातचीत के दौरान बताया कि जीटीए-6 के आने में लंबा समय लगा और इस दौरान समाज तथा राजनीतिक परिस्थितियों में कई बदलाव देखने को मिले। उन्होंने कहा कि भारत में अभिव्यक्ति की आजादी में कमी महसूस की जा रही है। अब अधिक लोग इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि उनकी कही गई बातें कहीं सरकार को नाराज न कर दें। थरूर ने बताया कि उन्होंने इससे पहले कभी वीडियो गेम नहीं खेला था। उनके बच्चे डंजन्स एंड ड्रैगन्स जैसे बोर्ड गेम खेलते थे और उनके परिवार में किताबें पढ़ने की परंपरा रही है। उन्होंने बच्चों के लिए प्लेस्टेशन-1 भी खरीदा था, लेकिन आधुनिक गेमिंग उपकरण उनके बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा नहीं बने। जीटीए-6 खेलते समय थरूर को खेल के पात्र को नियंत्रित करने और गाड़ी चलाने में परेशानी हुई। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह खेल में केवल खुद को जिंदा रखने की कोशिश कर रहे हैं। पहली बार वीडियो गेम खेलने का उनका अनुभव भी चर्चा का विषय बन गया। दुनियाभर में लोकप्रिय इस खेल को तैयार करने में भारी निवेश किए जाने की चर्चा है। रॉकस्टार गेम्स ने अभी तक इसका आधिकारिक बजट सार्वजनिक नहीं किया है, लेकिन गेमिंग विशेषज्ञों और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इसे बनाने में करीब एक से डेढ़ अरब डॉलर यानी लगभग 9,300 से 14,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। रिपोर्टों के मुताबिक, इस परियोजना पर पिछले कई वर्षों से दुनिया के अलग-अलग स्टूडियो में हजारों विकासकर्ता, प्रोग्रामर, कलाकार और इंजीनियर काम कर रहे थे। खेल को आधुनिक बनाने के लिए नए गेम इंजन, बेहतरीन चित्रांकन, पात्रों की गतिविधियों को वास्तविक रूप देने की तकनीक, संगीत के अधिकार और वैश्विक प्रचार पर बड़ा निवेश किया गया।

संक्षिप्त डायरी

ट्रक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, पिता-बेटी घायल

एजेंसी

गुरुग्राम। बिलासपुर थाना क्षेत्र में मन्नत होटल के सामने सात नवंबर को तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता और उनकी बेटी घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक चालक और मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेवाड़ी के शिवनगर पार्ट-2 निवासी ऋषि कुमार ने पुलिस को बताया कि सात नवंबर को वह अपनी बेटी विनती के साथ मोटरसाइकिल पर गुरुग्राम से रेवाड़ी जा रहे थे। दोपहर करीब ढाई बजे मन्नत होटल के सामने ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। एक राहगीर ने उन्हें धारूहेड़ा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अन्य अस्पतालों में भी ले जाया गया। मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी मिली। पुलिस प्रवक्ता संदीप ने बताया कि ऋषि कुमार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के आधार पर हादसे की परिस्थितियों और ट्रक की पहचान की जांच की जा रही है।

3.68 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोपी को जमानत नहीं, एम्स में होगा इलाज

एजेंसी

गुरुग्राम। 3.68 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में आरोपी विजय कुमार शर्मा (64) को अदालत से राहत नहीं मिली है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. गगन गीत कौर की अदालत ने उसकी नियमित और अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। हालांकि, प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित आरोपी के स्वास्थ्य को देखते हुए भोंडसी जेल प्रशासन को दिल्ली स्थित एम्स में तत्काल इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। उपचार के दौरान आरोपी सख्त पुलिस हिरासत में रहेगा। ओम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि सुमित शर्मा ने वर्ष 2023 में उद्योग विहार थाना पुलिस को शिकायत दी थी। आरोप था कि इच्छापूर्ति ब्रांड से जुड़ी कंपनी के लोगों ने जुलाई 2021 से मार्च 2022 के बीच लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट, मैनपावर और सामग्री आपूर्ति के साथ सुपर फ्रेंचाइजी व बिजनेस पार्टनर मॉडल के नाम पर विभिन्न कंपनियों और व्यापारियों से सेवाएं व निवेश लिया, लेकिन भुगतान नहीं किया। इस मामले में 3.68 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बकाया बताई गई। विजय कुमार शर्मा को 28 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल भोंडसी जेल में न्यायिक हिरासत में है।कंपनी को 38 से 50 लाख रुपये तक कर्ज दिया थाआरोपी के अधिवक्ताओं ने दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है और वह संबंधित कंपनी में निदेशक या प्रवर्तक नहीं था। बचाव पक्ष ने दावा किया कि उसने कंपनी को 38 से 50 लाख रुपये तक कर्ज दिया था। साथ ही बताया कि आरोपी हाई-रिस्क प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित है और उसकी सर्जरी प्रस्तावित है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि आरोपी बैंक खातों और वित्तीय लेनदेन को नियंत्रित कर रहा था। मामले में 57 वेंडरों से जुड़े करीब 9.64 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप भी रखे गए। अदालत ने आरोप गंभीर मानते हुए जमानत देने से इन्कार कर दिया। हालांकि, अनुच्छेद 21 के तहत स्वास्थ्य के अधिकार को देखते हुए एम्स में तत्काल इलाज कराने का आदेश दिया।

बिजली चोरी के मामले में उपभोक्ता की याचिका खारिज

एजेंसी

गुरुग्राम। बिजली चोरी और जुमार्ना नोटिस से जुड़े मामले में सिविल अदालत ने उपभोक्ता की याचिका क्षेत्राधिकार के अभाव में खारिज कर दी। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) डॉ. मोहम्मद इम्तियाज खान की अदालत ने कहा कि बिजली चोरी और उससे संबंधित आकलन के मामलों की सुनवाई सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती। मानेसर तहसील के गांव सिकंदरपुर बढ़ा निवासी दीपक कुमार ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की चेकिंग रिपोर्ट और जुमार्ना नोटिस को चुनौती दी थी। वादी का कहना था कि वह घर के बिजली कनेक्शन के नियमित बिलों का भुगतान करता रहा है। 13 फरवरी 2020 को उसकी अनुपस्थिति में निगम कर्मचारियों ने पुराना मीटर बदलकर नया मीटर लगा दिया। इसके बाद उसे कार्यालय बुलाकर 25 हजार रुपये देने और बिजली चोरी का केस दर्ज कराने की धमकी दी गई। वादी के अनुसार, 29 फरवरी 2020 को उसे चेकिंग रिपोर्ट और दो मेमो दिए गए। इनमें उस पर 1.40 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। उसने इस कार्रवाई को गलत बताते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। वहीं, निगम ने अदालत में दलील दी कि जांच के दौरान मीटर की बॉडी से छेड़छाड़ मिली थी। मीटर को चिपकाने वाले पदार्थ से दोबारा जोड़ा गया था। इसके अलावा फेज और न्यूट्रल सीटी तारों में रेसिस्टेंस लगाकर बिजली की खपत में हेरफेर किया जा रहा था। निगम ने इसे बिजली चोरी का मामला बताया। अदालत ने मामले में क्षेत्राधिकार नहीं होने के आधार पर उपभोक्ता की याचिका खारिज कर दी।

बारिश से घर में हुए नुकसान का क्लेम नहीं देना कंपनी को पड़ा भारी

एजेंसी

गुरुग्राम। भारी बारिश से घर में पानी भरने पर घरेलू सामान को हुए नुकसान का बीमा क्लेम नहीं देना एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को महंगा पड़ गया। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कंपनी को 60,050 रुपये नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ देने का आदेश दिया है। साथ ही 15 हजार रुपये मुआवजा और 11 हजार रुपये कानूनी खर्च भी देना होगा। आदेश आयोग के अध्यक्ष संजीव जिंदल ने दिया। पटौदी तहसील के गांव जटौली निवासी सतबीर ने आठ अगस्त 2022 को आयोग में याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया कि 20 अगस्त 2020 को भारी बारिश से उनके घर में पानी भर गया था। इससे घरेलू सामान खराब हो गया। उन्होंने एचडीएफसी एर्गो की सर्व सुरक्षा पॉलिसी के तहत कुल 4.90 लाख रुपये के नुकसान का दावा किया था। आयोग ने पाया कि कंपनी के सर्वेयर ने घरेलू सामान के नुकसान का आकलन 60,050 रुपये किया था, लेकिन कंपनी ने इसका भुगतान नहीं किया। नौकरी छूटने और पिता की बीमारी से जुड़े दावों को पर्याप्त साक्ष्य नहीं होने पर स्वीकार नहीं किया गया। आयोग ने क्लेम रोकने को सेवा में कमी मानते हुए ब्याज सहित भुगतान का आदेश दिया।

घामड़ोज में मादा तेंदुआ दो शावकों के साथ दिखी

एजेंसी

गुरुग्राम। घामड़ोज गांव में मादा तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ घूमती दिखाई दी। गांव के एक आश्रम के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में तीनों की गतिविधियां कैद हुई हैं। फुटेज सामने आने के बाद आसपास के गांवों में भी ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। सीसीटीवी फुटेज में रात के समय एक दीवार के ऊपर से एक के बाद एक तीन तेंदुए नीचे उतरते दिखाई दे रहे हैं। इनमें एक मादा तेंदुआ और उसके दो शावक हैं। तीनों आश्रम परिसर में रखी पानी की टंकी के पास पहुंचकर पानी पीते हैं। कुछ देर आसपास घूमने के बाद वहां से आगे बढ़ जाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, घामड़ोज में पहले भी तेंदुआ देखा जा चुका है। आश्रम, देवी मंदिर और मिढ़ावली क्षेत्र में भी पिछले कुछ समय से तेंदुए की गतिविधियां सामने आती रही हैं। अब मादा तेंदुआ के साथ दो शावकों के दिखाई देने से लोगों में डर बना हुआ है। घामड़ोज के साथ रायसीना, सांप की नंगली, भोंडसी, टिकली और सकतपुर सहित अरावली की तलहटी में बसे गांवों के लोग भी चिंतित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में तेंदुए की आवाजाही से लोगों को सतर्क रहना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित विभाग से निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा के जरूरी कदम उठाने की मांग की है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए से अभियान, 21, 22, 28 और 29 नवंबर को मतदान केंद्र पर भरे जाएंगे फॉर्म

एजेंसी

नोएडा। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2027 के तहत गौतमबुद्धनगर जिले में मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए निर्वाचन विभाग की ओर से आज से चार दिन विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए 21, 22, 28 और 29 नवंबर की तारीख निर्धारित की गई है। इन चारों दिनों में जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) और पदाभिहित अधिकारी मौजूद रहेंगे। अभियान के दौरान पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने, पहले से दर्ज नाम को हटवाने, नाम-पते में संशोधन कराने और विधानसभा क्षेत्र के भीतर या बाहर स्थान परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकेंगे। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निदेशों के क्रम में डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के



निदेशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कराया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत 17 नवंबर 2026 को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया जा चुका है। इसके बाद मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जा रही हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 नवंबर (शनिवार), 22 नवंबर (रविवार), 28 नवंबर (शनिवार) और 29 नवंबर (रविवार) को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। पहले और दूसरे विशेष अभियान के तहत 21 और 22 नवंबर को जिले के तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक उपस्थित रहेंगे। इसी तरह 28 और 29 नवंबर को भी मतदाता सूची से संबंधित कार्यों के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्रशासन ने जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं और पात्र नागरिकों से इस अभियान का लाभ उठाने की अपील की है। गौतमबुद्धनगर जिले में 61-नोएडा, 62-दादरी और 63-जेवर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। इन तीनों क्षेत्रों के सभी मतदेय स्थलों पर बीएलओ की उपस्थिति में मतदाता सूची से संबंधित आवेदन और आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी। निर्वाचन विभाग के अनुसार जिन पात्र नागरिकों का नाम 17 नवंबर को प्रकाशित मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर बीएलओ को आवश्यक दस्तावेजों के साथ फार्म-6 भरकर जमा करा सकते हैं। इसके माध्यम से पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकेंगे। खासकर ऐसे युवा जो 1 जनवरी 2027 को निर्धारित अर्हता के अनुसार मतदाता बनने की पात्रता रखते हैं, वे इस अभियान के दौरान अपना पंजीकरण करा सकते हैं। मतदाता सूची में यदि किसी ऐसे व्यक्ति का नाम दर्ज है, जिसकी मृत्यु हो चुकी है, या किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर दर्ज है अथवा कोई व्यक्ति स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर शिफ्ट हो चुका है, तो ऐसी स्थिति में संबंधित परिजन या पात्र व्यक्ति फार्म-7 भरकर नाम हटाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्वाचन विभाग ने ऐसे मामलों में सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाया जा सके। इसके अलावा मतदाता सूची में पहले से दर्ज किसी मतदाता के नाम, पते या अन्य विवरण में गलती होने पर फार्म-8 भरकर संशोधन कराया जा सकता है। यदि कोई मतदाता अपना निवास स्थान बदल चुका है और मतदाता सूची में नए पते के अनुसार स्थानांतरण कराना चाहता है, तो इसके लिए भी फार्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। ये आवेदन संबंधित बीएलओ के पास या निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कराए जा सकते हैं। निर्वाचन विभाग ने नागरिकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम हटवाने और संशोधन से संबंधित फार्म मोबाइल ऐप तथा भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर भरे जा सकते हैं। प्रशासन ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे प्रकाशित मतदाता सूची में अपना नाम और अन्य विवरण अवश्य जांच लें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि या कमी मिलती है तो निर्धारित फार्म भरकर समय रहते आवेदन करें। विशेष अभियान के दौरान मतदान केंद्रों पर बीएलओ की मौजूदगी का लाभ उठाकर मतदाता अपने दस्तावेजों के साथ आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। निर्वाचन विभाग का उद्देश्य आगामी निर्वाचन प्रक्रिया से पहले मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

एजेंसी

गुरुग्राम। विद्यार्थियों में विज्ञान और तकनीक के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए शनिवार को समग्र शिक्षा के तहत जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस) बसई में हुई प्रदर्शनी में कक्षा छह से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर विज्ञान मॉडल बनाकर अपनी रचनात्मक सोच और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सात अलग-अलग थीम के आधार पर मॉडलों का मूल्यांकन किया गया। प्रत्येक थीम में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया। प्रदर्शनी में गणितीय मॉडलिंग एवं कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, ग्रीन एनर्जी एवं पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण परिवर्तन के लिए विज्ञान, पारंपरिक कृषि पद्धतियां, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं साफ़-सफाई, आपदा प्रबंधन और बेहतर जीवन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय शामिल रहे। विद्यार्थियों ने इन विषयों पर मॉडल प्रस्तुत कर विज्ञान के व्यावहारिक उपयोग को समझाने का प्रयास किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करना रहा। ग्रामीण जीवन, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य और आधुनिक तकनीक से जुड़ी थीम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला। निर्णायक मंडल ने सभी मॉडलों का मूल्यांकन कर परिणाम घोषित किए। सातों थीम में तीन-तीन स्थानों के लिए विद्यार्थियों का चयन किया गया। इस तरह कुल 21 स्थानों पर विद्यार्थियों ने उपलब्धि हासिल की। प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को किताबी पढ़ाई के साथ प्रयोग करने और नए विचारों को सामने रखने का मंच दिया।

विशेष बच्चों ने जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में दिखाया दमखम -सात स्कूलों और संस्थाओं के बच्चों ने लिया हिस्सा

एजेंसी

गुरुग्राम। बौद्धिक एवं बहु-दिव्यांगता वाले बच्चों को खेलों के माध्यम से प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के उद्देश्य से शनिवार को जिला स्तरीय विशेष खेल प्रतियोगिता के तीसरे सीजन का आयोजन किया गया। खुशबू संस्था की ओर से डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में सात स्कूलों और गैर-सरकारी संगठनों के बच्चों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। बच्चों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा और खेल भावना का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन टावेंट टेक्नोलॉजीज के एसोसिएट डायरेक्टर धीरज गंभीर, खुशबू संस्था के अध्यक्ष राकेश जिंसी और कार्यकारिणी सदस्य उषा मलिक ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत बोच्चे खेल से हुई। अतिथियों ने



बच्चों का उत्साह बढ़ाया और उनके प्रयासों की सराहना की। प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल, कॉग्निएबल, मुस्कान, राधिका फाउंडेशन, नवोदय स्पेशल स्कूल, आलाप होम और खुशबू संस्था के बच्चों ने भाग लिया। इसमें 25, 50 और 100 मीटर दौड़, सॉफ्टबॉल थ्रो, गोला फेंक, बोच्चे और हैंडबॉल की प्रतियोगिताएं कराई गईं। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ खेलों में हिस्सा लिया। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की शारीरिक फिटनेस के साथ आत्मविश्वास, आपसी मेलजोल और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना था। खेलों के माध्यम से उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने और दूसरे बच्चों के साथ जुड़ने का अवसर मिला। कार्यक्रम के समापन पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया और विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

भाजपा नेता से पांच करोड़ की फिरौती मांगने में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। भाजपा नेता जाहिद हुसैन से पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में नूंह पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मुकीम गांव बाई का रहने वाला है। पुलिस ने उसे चार दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जाहिद हुसैन को 27 सितंबर की रात उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को रोहित गोदारा और लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए दो दिन के भीतर पांच करोड़ रुपये देने की मांग की थी। रकम नहीं देने पर भाजपा नेता और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसी नंबर से रात करीब 8:23 बजे दोबारा फोन कर जवाब देने का दबाव बनाया गया



था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने सबसे पहले उत्तर प्रदेश निवासी आकाश को गिरफ्तार किया। इसके बाद गांव बाई के फरीद को पकड़ा गया। अब तीसरे आरोपी मुकीम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मुकीम पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी लतीफ का भाई है। इस मामले में अब तक गिरफ्तार तीन आरोपियों में दो गांव बाई के रहने वाले हैं। भाजपा नेता जाहिद हुसैन भी मूल रूप से इसी गांव के निवासी हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी से पूछताछ कर फिरौती मांगने की साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में अभी कुछ अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी बाकी है। पुलिस पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

एजेंसी

सोहना। कस्बे के शिव पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें सोहना के भाजपा विधायक तेजपाल तंवर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। इनसे शरीर स्वस्थ रहने के साथ अनुशासन की भावना भी विकसित होती है। विधायक ने



कहा कि सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनका लाभ खिलाड़ियों को मिल रहा है। स्कूल प्रबंधन की ओर से उनका बुके देकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता की शुरूआत खिलाड़ियों के मार्चपास्ट और मशाल जलाकर की गई। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन मुकेश बंसल, पूर्व पार्षद रवि शंकर सिंगला, अनिल गर्ग, मार्केट कमेटी चेयरमैन दयाराम लोहिया, वाइस चेयरमैन अशोक बंसल और एसीपी मुकेश यादव सहित शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे। एक दर्जन स्पधाओं में दिखाया दमखम- प्रतियोगिता में करीब एक दर्जन स्पधाएं आयोजित की गईं। इनमें दौड़, साइकिल रेस, लॉन्ग जंप और हाई जंप शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा दिखाई। विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी नकद राशि- कार्यक्रम में स्कूल चेयरमैन मुकेश बंसल ने घोषणा की कि वार्षिक परीक्षा में निर्धारित अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को नकद राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

34 लाख रुपये की ठगी, बैंक खाता दिलाने वाला आरोपी पकड़ा

शेयर बाजार में निवेश पर मोटे मुनाफे का दिया था झांसा, खाते की व्यवस्था कराने के मिले थे 60 हजार रुपये

गुरुग्राम। डिजिटल दौर में जहाँ एक ओर निवेश के माध्यम आसान और सुलभ हुए हैं, वहीं दूसरी ओर साइबर अपराधी भी लोगों की गाढ़ी कमाई हड़पने के लिए नए-नए और बेहद शातिर तरीके अपना रहे हैं। शेयर बाजार में कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर लोगों को अपने जाल में फंसाना इन दिनों साइबर ठगों का सबसे पसंदीदा हथियार बन चुका है। ऐसा ही एक गंभीर मामला साइबर सिटी कहे जाने वाले गुरुग्राम से सामने आया है, जहाँ साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को शेयर बाजार में निवेश पर भारी रिटर्न दिलाने का झांसा



देकर करीब 34 लाख रुपये की चपत लगा दी। इस मामले में कार्रवाई करते हुए गुरुग्राम पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है और ठगी की रकम के लेनदेन के लिए बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपराधियों को न केवल बैंक खाता मुहैया कराया था, बल्कि खाताधारक की ठगों से मुलाकात भी करवाई थी। इस पूरे खेल में उसे कमीशन के तौर पर 60 हजार रुपये मिले थे। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है। क्या है पूरा मामला? पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला 14 अक्तूबर 2026 को गुरुग्राम के साइबर क्राइम वेस्ट थाना में दर्ज की गई एक शिकायत के बाद सामने आया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि कुछ अज्ञात लोगों ने उससे संपर्क किया और शेयर बाजार में निवेश करने पर असाधारण व मोटा मुनाफा कमाने का प्रलोभन दिया। ठगों ने खुद को निवेश और बाजार का विशेषज्ञ बताते हुए पीड़ित का भरोसा जीतने की पूरी कोशिश की। उन्हें लगा कि सही जानकारी और मार्गदर्शन के साथ निवेश करने पर उन्हें बड़ा लाभ मिल सकता है। इसी लालच और भरोसे में आकर शिकायतकर्ता ने ठगों के बताए गए निर्देशों और माध्यमों के अनुसार अलग-अलग किस्तों में करीब 34 लाख रुपये निवेश कर दिए। शुरूआत में ठगों ने पीड़ित को भरोसे में बनाए रखने के लिए तरह-तरह के दावे किए, लेकिन जब रकम निकालने या वास्तविक मुनाफे की बात आई, तो टालमटोल शुरू हो गया। धीरे-धीरे शिकायतकर्ता को यह एहसास हुआ कि उनके साथ किसी तरह का असली निवेश नहीं हो रहा है, बल्कि वे एक सुनियोजित साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो चुके हैं। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने बिना देर किए साइबर क्राइम वेस्ट थाना पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस की कार्रवाई और आरोपी की गिरफ्तारी शिकायत मिलते ही गुरुग्राम पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। साइबर मामलों में अक्सर अपराधियों तक पहुंचने के लिए पैसों के लेनदेन (मनी ट्रेल) और बैंक खातों की भूमिका सबसे अहम होती है।

100 एकड़ भूमि पर 237 करोड़ रूपए की लागत से विकसित होगा पार्क

उज्जैन में विकसित होगा डीप टेक रिसर्च एवं इनोवेशन पार्क : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रोत्साहन, प्राचीन विरासतों के संरक्षण, वैज्ञानिक शोध और नवाचार को आगे बढ़ाया है। मध्यप्रदेश में भी प्राचीन सभ्यताओं और पुरातात्विक धरोहरों के वैज्ञानिक अध्ययन को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई है। राजधानी भोपाल में स्थापित डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ल्यूमिनेसेंस डेटिंग प्रयोगशाला के माध्यम से अब 10 लाख वर्ष तक पुरातात्विक महत्व की सामग्रियों की जांच और आयु का वैज्ञानिक निर्धारण किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उज्जैन में लगभग 100 एकड़ भूमि पर डीप टेक रिसर्च एवं इनोवेशन पार्क विकसित किया जाएगा। इससे विज्ञान, अनुसंधान, नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में नई संभावनाएं सृजित होंगी। उज्जैन केवल धार्मिक नगरी ही नहीं, बल्कि विज्ञान, उद्योग, कला, संस्कृति और सभ्यता का भी महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। प्राचीन काल से ही उज्जैन काल-गणना एवं खगोल विज्ञान के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान रखता है। प्रदेश की वैज्ञानिक विरासत को आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक से जोड़ते हुए उज्जैन को साइंस सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) के विज्ञान भवन में 'प्राचीन से आधुनिक काल तक वैज्ञानिक विधियों से कालगणना' के अंतर्गत 'महाकाल : द मास्टर ऑफ टाइम' थीम पर आधारित



राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैपकास्ट में स्थापित प्रदेश की पहली डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ल्यूमिनेसेंस डेटिंग प्रयोगशाला एवं डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर गैलरी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कौशल विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए मेपकास्ट एवं धनुष क्वांटम टेक्नोलॉजी लिमिटेड के बीच एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'महाकाल = द मास्टर ऑफ टाइम' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर आधारित कॉफी टेबल और दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय शोध संस्थान के शोधार्थी समागम के पोस्टर का भी विमोचन भी किया। इस अवसर पर डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ल्यूमिनेसेंस डेटिंग प्रयोगशाला एवं गैलरी पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर प्रसिद्ध पुरातत्वविद्, चित्रकार और इतिहासकार थे। उन्होंने सीमित संसाधनों और विपरीत परिस्थितियों में भारतीय पुरातत्व एवं प्राचीन सभ्यताओं के अध्ययन को आगे बढ़ाया। उनके शोध और योगदान ने भारत की प्राचीन सभ्यता को वैश्विक पहचान दिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. वाकणकर को श्रद्धांजलि अर्पित की और अपने छात्र जीवन में डॉ. वाकणकर से हुई मुलाकातों और विभिन्न विषयों पर हुई चर्चाओं का स्मरण करते हुए कहा कि पुरातत्व और वैज्ञानिक खोजों के साथ ही उनकी सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टि भी व्यापक थी। प्रदेश सरकार ने भोपाल के पास स्थित रातापानी अभयारण्य को डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय उद्यान नाम देकर उनके योगदान को सम्मान दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन प्राचीन काल से ही काल-गणना एवं खगोल विज्ञान का प्रमुख केंद्र रहा है। विक्रमादित्य की परंपरा, भारतीय काल-गणना पद्धति और प्राचीन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़कर आगे बढ़ाया जा रहा है। विक्रमादित्य शोध पीठ को भी अकादमिक एवं शोध संस्थान के रूप में विकसित किया जा रहा है। डीप टेक रिसर्च एवं इनोवेशन पार्क में उभरती तकनीकों के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा। शोध एवं अनुसंधान जितना व्यापक होगा, विकास की संभावनाएं भी उतनी ही बढ़ेंगी।



सीएम हेल्पलाइन में लापरवाही बरतने वाले विभागों को कारण बताओ नोटिस जारी

अनुकंपा नियुक्तियों के प्रकरण का प्रमुखता से करें निराकरण - एडीएम श्री कवचे

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में एडीएम श्री महेन्द्र कवचे एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में न करने एवं लगातार लापरवाही करने वाले विभाग उच्च शिक्षा, आयुष, वन विभाग, जीएडी, सामाजिक न्याय विभाग, जेल, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, जल संसाधन विभाग, उद्योग नीति एवं निवेश प्रोत्साहन?, खनिज, पर्यटन विभाग, खेल एवं युवक कल्याण विभाग, आपदा प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने 50 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने तथा अनावश्यक रूप से शिकायतों को अन्य विभागों में हस्तांतरित न करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में समय -सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर श्री महेन्द्र कवचे ने सभी विभागीय अधिकारियों को शासन के निर्देशानुसार विभागों में लंबित अनुकंपा नियुक्तियों के प्रकरणों का तत्काल निराकरण करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की जल प्रबंधन और जल आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा

नगरीय निकायों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति पर दें विशेष ध्यान : मुख्यमंत्री

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को प्रदेश के सभी नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन एवं वर्तमान जल आपूर्ति व्यवस्था के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मनुष्य हों या मवेशी, जल सबकी जरूरत है, इसलिए हर संभव तरीके से सबके लिए जल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए वर्तमान में उपलब्ध जल का बेहतर से बेहतर प्रबंधन करें, ताकि सबको पानी मिले। मुख्यमंत्री ने कहा जहां पानी उपलब्ध है वहां बिना किसी बाधा के जल आपूर्ति की जाए और जहां पानी की कमी है, वहां जल उपलब्धता के लिए दीर्घकालिक व्यवस्थाएं (स्थायी समाधान) की जाएं। उन्होंने कहा कि जल अभाव वाले क्षेत्रों में टैंकर्स से जलापूर्ति, नलकूप खनन और जल संचयन के अतिरिक्त संसाधन भी विकसित किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल अभाव क्षेत्रों में यदि प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने की आवश्यकता हो, तो वह भी करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के कम वर्षा से प्रभावित जिलों आलीराजपुर, झाबुआ, धार, रतलाम, उज्जैन, इन्दौर, शाजापुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्ना के कलेक्टर्स से सीधी बात कर वर्तमान में जल आपूर्ति व्यवस्था एवं आगामी कार्य योजना की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने इन सभी



कलेक्टर्स को अपने-अपने जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सहज जल प्रबंधन एवं पेयजल आपूर्ति के लिए पृथक-पृथक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समूह जल प्रदाय योजनाओं को और भी सुदृढ़ किया जाए। जहां आवश्यकता है, वहां नवीन नलकूल खनन की अनुमति दे दी जाएगी। कलेक्टर्स शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष ध्यान देकर समुचित जल आपूर्ति सुनिश्चित करें। बैठक में अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास विभाग श्री संजय दुबे ने बताया कि प्रदेश में कुल 413 नगरीय निकाय हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा प्रदेश के सभी नगरीय क्षेत्रों में समुचित जल प्रबंधन एवं जल आपूर्ति के लिए 165.95 करोड़ रुपए की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। नगरीय निकायों को 30 जून 2027 तक समूचित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए समुचित निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। नगरीय निकायों को कहा गया है कि सभी विभागों के प्रयासों के उपरांत भी यदि जल संकट की ?स्थिति निर्मित होती है, तो जल परिवहन करने के लिए सबसे पहले निकाय के जल स्त्रोतों या अधिगृहित जल स्त्रोतों तथा निकाय के टैंकर्स का ही उपयोग किया जाए। साथ ही पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए यदि छोटे-छोटे कामों की आवश्यकता है, तो उन्हें तत्काल पूरा कर लिया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 126 नगरीय निकायों में पहले से निर्माणाधीन जल प्रदाय योजनाएं मार्च 2027 तक पूरी हो जाएंगी, इससे वहां नियमित रूप से जल प्रदाय सुनिश्चित हो जाएगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने बताया कि प्रदेश के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन के लिए 187 करोड़ रुपए से अधिक की एक व्यापक कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में करीब 65 हजार से अधिक हैंड पम्प्स, राइजर पाइप्स, बोरवेल सहित समूह जल प्रदाय योजनाओं के माध्यम से जल आपूर्ति की जा रही है। शासन से नवीन नलकूप खनन की अनुमति जारी होने पर संबंधित वांछित जिलों में नवीन नलकूप खनन किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में जल प्रबंधन एवं पेयजल आपूर्ति व्यवस्थापन से जुड़े करीब एक लाख काम प्रगतिरत हैं।

मध्यप्रदेश राज्य फार्मेसी काउंसिल के नवीन भवन निर्माण के प्रस्ताव पर शीघ्र कार्यवाही का दिया आश्वासन

स्वस्थ भारत के निर्माण में फार्मासिस्टों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि फार्मेसी केवल मुनाफे का व्यवसाय नहीं, बल्कि पीड़ित मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। मरीजों तक सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही दवाओं के उचित उपयोग के प्रति समाज को जागरूक करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए चिकित्सकों, फार्मासिस्टों एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी व्यक्तियों को सामूहिक उत्तरदायित्व के भाव से कार्य करना होगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल भोपाल के रवीन्द्र भवन स्थित हंसध्वनि सभागार में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य फार्मेसी काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विश्व फार्मासिस्ट दिवस एवं राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह2026 के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन 'स्वस्थ भारत = एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस से मुकाबला' विषय पर किया गया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना ने देश की स्वास्थ्य सेवाओं में ऐतिहासिक परिवर्तन किया है। इस योजना से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच सुगम हुई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। टियर-2 एवं टियर-3 शहरों में भी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं तथा सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने



कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के नागरिकों को अपने निकटतम स्वास्थ्य संस्थान में ही बेहतर जांच, आवश्यक दवाइयां और गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो। स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता तथा आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के विस्तार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) की बढ़ती चुनौती पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक एवं अनुचित उपयोग जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। बिना चिकित्सकीय परामर्श के एंटीबायोटिक का सेवन तथा आवश्यकता से अधिक या गलत तरीके से इनका उपयोग रोगाणुओं में दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने का कारण बनता है। इससे सामान्य संक्रमणों का उपचार भी जटिल हो सकता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए स्वस्थ भारत का निर्माण आवश्यक है। एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए चिकित्सकों, फार्मासिस्टों एवं आमजन में व्यापक जागरूकता आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने फार्मासिस्टों से आह्वान किया कि वे चिकित्सकीय पर्चे के आधार पर ही एंटीबायोटिक एवं अन्य प्रिस्क्रिप्शन दवाओं का वितरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि दवा विक्रय के दौरान केवल व्यावसायिक हितों को प्राथमिकता देना उचित नहीं है। मरीजों की सुरक्षा, उनके स्वास्थ्य की रक्षा और समाज के प्रति उत्तरदायित्व सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने फार्मासिस्टों से बिना चिकित्सकीय परामर्श के एंटीबायोटिक दवाओं की बिक्री नहीं करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। साथ ही नागरिकों को दवाओं की निर्धारित खुराक, सेवन की अवधि और चिकित्सकीय परामर्श के महत्व के संबंध में जागरूक करने को कहा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि फार्मासिस्टों का सजग एवं जिम्मेदार आचरण एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की रोकथाम में प्रभावी योगदान दे सकता है। दवाओं का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मध्यप्रदेश राज्य फार्मेसी काउंसिल द्वारा फार्मेसी विद्यार्थियों एवं फार्मासिस्टों के पंजीयन की प्रक्रिया को समयबद्ध एवं व्यवस्थित बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

सिंचाई परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में करें पूर्ण : जल संसाधन मंत्री सिलावट

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराने तथा कृषि क्षेत्र को अधिक समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं का लाभ किसानों तक समय पर पहुंचाना विभागीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाए। जल संसाधन मंत्री सिलावट ने मंत्रालय में वेनगंगा कछार की निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विशेष रूप से सिवनी एवं छिंदवाड़ा जिलों में



संचालित विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं की भौतिक प्रगति, निर्माण कार्यों की स्थिति, नहरों के विकास, जल वितरण व्यवस्था तथा परियोजनाओं को पूर्ण करने की समय-सीमा पर चर्चा की गई। जल संसाधन मंत्री सिलावट ने बैठक में पेंच व्यपवर्तन परियोजना की नहरों के निर्माण, छिंदवाड़ा सिंचाई परियोजना, पेंच माइक्रो-1 एवं माइक्रो-2, शेर सिंचाई परियोजना तथा मछरेवा एवं मांडवा सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

कलेक्टर के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी की अध्यक्षता में डीएलसीसी की बैठक आयोजित स्वीकृत प्रकरणों का निराकरण शीघ्र सुनिश्चित करें : सीईओ तिवारी

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ मती इला तिवारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में डीएलसीसी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपस्थित बैंको के प्रतिनिधियों से बैंककवार प्राप्त प्रकरणों के निराकरण एवं निर्धारित किए गए लक्ष्य के संबंध में जानकारी लेने के पश्चात सीईओ मती तिवारी ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की महत्वाकां योजनाओं के प्रकरण कई बैको में लक्ष्य के अनुरूप निराकरण नही किए गए है। जो अत्यन्त ही खेदजनक है। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुयें निर्देश दिए कि सभी बैंकर्स जो प्रकरण स्वीकृत हो गये उनका वितरण एक सप्ताह के अंदर किया जाना सुनिश्चित कर तथा ऐसे प्रकरण जो अभी तक लंबित है उनका निराकरण 15 दिवस के अंदर किया जाकर हितग्राही को लाभ वितरित कर अवगत करायें ताकि निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति की जा सके। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष के लक्ष्य के अनुरूप प्रकरणों का निराकरण भी सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान सीईओ मती तिवारी ने विभागीय अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि बैंको में भेजे गये प्रकरणों की लगातार मॉनीटरिंग करे ताकि निर्धारित समय पर लंबित प्रकरणों का निराकरण कर लाभ सुनिश्चित हो। बैंकर्स के साथ विभागीय अधिकारी संयुक्त रूप से प्रकरणों की जॉच करें। यदि लाभार्थी के आवेदन के संबंध में किसी भी दस्तावेज की कमी हो उसे विभागीय अधिकारी पूर्ण करवाएं। वही बैंकर्स को निर्देश दिए कि किसी प्रकरण के निराकरण करने में यदि कोई कठिनाई आ रही है तो संबंधित विभाग के साथ-साथ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्यालय को भी अवगत करायें। समीक्षा के दौरान पशुपालन, मत्स्य, स्व-सहायता समूह, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित विभिन्न जन कल्याणकारी



योजनाओ के प्रकरण जो बैको में भेजे गये है उनके वितरण के साथ-साथ निर्धारित किए गए लक्ष्य की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करे। उन्होंने एलडीएम को इस आशय के निर्देश दिए कि बैंकों से तत्परता के साथ निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रकरणों का निराकरण कराकर वितरण कराया जाना सुनिश्चित करे साथ ही टीएल बैठक मे वितरण किए गए प्रकरणों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करे। उन्होने सीएम हेल्पलाइन की शिकायते जो बैंकों में लंबित है उनके निराकरण के प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के अंदर संतुष्टिपूर्वक निराकरण कर आगामी टीएल बैठक में अवगत कराये।

विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं चिकित्सा अधिकारियों के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाएं : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

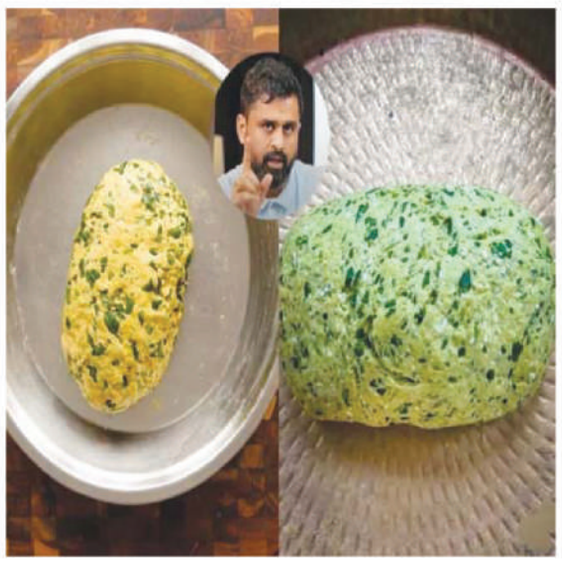
प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकों, विशेषज्ञों एवं अन्य आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए स्वीकृत पदों पर भर्ती एवं नियुक्ति संबंधी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। विभागीय स्तर पर लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने भोपाल में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में चिकित्सकों की भर्ती, पदस्थापना, चिकित्सा महाविद्यालयों में अधोसंरचना विकास तथा विशिष्ट चिकित्सा सेवाओं के विस्तार से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेश के स्वास्थ्य संस्थानों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए विभागीय स्तर पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी करने एवं साक्षात्कार आयोजित करने की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ने से जिला एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में विशिष्ट उपचार सेवाओं का विस्तार होगा तथा मरीजों को उपचार के लिए बड़े



शहरों की ओर जाने की आवश्यकता कम होगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने चिकित्सा अधिकारियों के 1100 पदों पर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जाने वाली सीधी भर्ती की कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया से संबंधित विभागीय औपचारिकताओं को प्राथमिकता से पूर्ण करने तथा संबंधित संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर कार्यवाही में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती में प्रतीक्षा सूची से पात्र अभ्यर्थियों के चयन की प्रक्रिया की भी समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि उपलब्ध पदों पर नियमानुसार नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही तत्परता से की जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत इन-सर्विस पीजी चिकित्सकों की स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से बांड पर पदस्थापना की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक समन्वय कर पदस्थापना संबंधी कार्यवाही आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञता प्राप्त चिकित्सकों की सेवाओं का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जाए, जिससे विशेष रूप से जिला एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाई जा सके। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने अस्पताल प्रबंधकों एवं डेंटल सर्जन के पदों पर पदस्थापना संबंधी कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों के प्रभावी संचालन एवं बेहतर प्रबंधन के लिए आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता महत्वपूर्ण है। उन्होंने नर्सिंग ऑफिसर की नियुक्ति प्रक्रिया की भी जानकारी प्राप्त की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रकरण में न्यायालयीन आदेशों के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेश के पांच पुराने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभागों के विकास तथा लाइनैक मशीन की उपलब्धता संबंधी कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए प्रदेश में आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है।

रोटी के आटे में इन 3 पत्तेदार सब्जियों में से एक मिलाएं, आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताए फायदे



सर्दियों में हरी पत्तेदार सब्जियां खूब आने लगती हैं। इन्हें आप आटे में गूंथकर रोटी बना सकते हैं। आयुर्वेदिक डॉक्टर ने ऐसी 3 पत्तेदार सब्जियों के बारे में बताया है, जिनमें से एक भी अगर आप आटे में मिला लेते हैं, तो सेहत को काफी फायदा हो सकता है।

सर्दियों की शुरुआत होते ही बाजार में तरह-तरह की हरी पत्तेदार सब्जियां मिलने लगती हैं, जिन्हें डाइट में शामिल करना काफी फायदेमंद माना जाता है। लेकिन रोज-रोज इनकी सब्जी या साग बनाकर खाना भी पॉसिबल नहीं होता। ऐसे में आप इन पत्तेदार सब्जियों को आटे में मिलाकर इनकी रोटियां बना सकते हैं। जाने-माने आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ रॉबिन शर्मा ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए ऐसी ही 3 हरी पत्तेदार सब्जियों के बारे में बताया है, जिन्हें आटे में गूंथकर रोटी बनाई जा सकती हैं। डॉक्टर कहते हैं कि सर्दियों में ये रोटियां अगर आप रोजाना खाते हैं, तो पूरे परिवार की सेहत बेहतर होने में मदद मिल सकती है। आप अपनी जरूरत के हिसाब से इन तीनों में से कोई भी एक पत्तेदार सब्जी अपनी अपने आटे में मिला सकते हैं। आइए विस्तार में जानते हैं -

सर्दियों में रोटी के आटे में मिलाएं ये 3 हरी पत्तेदार सब्जियां

1) हरी मेथी के पत्ते

रोटी के आटे में आप ताजी हरी मेथी के पत्ते भी मिला सकते हैं। डॉक्टर कहते हैं कि अगर आपकी कमर और घुटनों में दर्द रहता है, तो मेथी के पत्ते वाली रोटी खाना काफी फायदेमंद हो सकता है। दरअसल सर्दियों में बढ़े हुए वात के चलते जोड़ों की चिकनाई (साइनोवियल फ्लूइड) गाढ़ा होना शुरू हो जाता है, जिसके चलते घुटने और कमर अकड़ने लगते हैं।

वहीं मेथी के पत्ते उष्ण और वात शामक होते हैं, यानी इस बढ़े हुए वात को शांत करने का काम करते हैं। साथ ही इनमें मौजूद फ्लेवोनॉइड्स सूजन बढ़ाने वाले कंपाउंड्स को भी कम करने में सहायता करते हैं। अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो भी आपके लिए मेथी खाना काफी फायदेमंद हो सकता है।

2) मोरिंगा यानी सहजन की पत्तियां

डॉ रॉबिन कहते हैं कि जिन बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर है या जिन महिलाओं में अक्सर खून की कमी बनी रहती है, उनके लिए मोरिंगा यानी सहजन के पत्ते किसी वरदान से कम नहीं हैं। ये ऊष्ण प्रकृति के होते हैं और कफ और वात दोष को शांत करते हैं। मोरिंगा के पत्तों में पालक से डेढ़ गुना ज्यादा आयरन पाया जाता है, जो आपके पूरे परिवार का हीमोग्लोबिन बढ़ाने में सहायता करता है।साथ ही इनमें ढेर सारा विटामिन ए भी होता है, जो बच्चों की इम्यूनिटी को बूस्ट करता है और किसी भी तरह के इन्फेक्शन से लड़ने में उनकी सहायता करता है। डॉक्टर के मुताबिक मोरिंगा जोड़ों को ताकत देने का काम भी करता है। जोड़ों के दर्द और सूजन में इसके प्रयोग से काफी फायदे देखने को मिलते हैं।

3) सर्दियों में जरूर खाएं बथुआ के पत्ते

डॉक्टर कहते हैं कि बथुआ इतने कमाल की चीज है कि इसे सर्दियों में भर-भर के खाना चाहिए। खासकर जिन लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है, पेट अच्छे से साफ नहीं होता या फिर जिनके पेट में कीड़े हैं, उनके लिए ये बहुत ज्यादा लाभदायक है।

शांति की आड़ में महाशक्तियों की नई बिसात



अंतरराष्ट्रीय राजनीति के इतिहास में कुछ तस्वीरें ऐसी होती हैं, जो केवल एक घटना को दर्ज नहीं करतीं, बल्कि आने वाले दशकों की भू-राजनीतिक दिशा तय करती हैं। चीन के शेनझेन स्थित कायलिन विला में एपेक शिखर सम्मेलन के दौरान एक ही गोलमेज पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ऐतिहासिक मुलाकात ऐसी ही एक युगांतरकारी परिघटना है। लगभग अस्सी मिनट तक चली इस त्रिपक्षीय वार्ता के बाद जारी किए गए चार-सूत्रीय %शांति घोषणापत्र% को वैश्विक मीडिया के एक बड़े वर्ग द्वारा परमाणु हथियारों पर लगाम लगाने और विश्व शांति की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। परंतु कूटनीति की बारीक परतों को उधेड़कर देखें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या दुनिया की तीन सबसे बड़ी परमाणु महाशक्तियां वास्तव में हथियारों की होड़ समाप्त करने के लिए एकजुट हुई हैं, या फिर यह 1945 के %याल्टा सम्मेलन% का एक नया संस्करण है, जहाँ बड़ी ताकतें बंद कमरे में बैठकर आपस में दुनिया के प्रभाव क्षेत्रों का बंटवारा करने बैठी हैं?इस बैठक के सबसे चर्चित पहलू यानी परमाणु निरस्त्रीकरण की वास्तविकता पर गौर करना आवश्यक है। बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन और परमाणु मुक्त विश्व की वकालत की। सुनने में यह विचार अत्यंत आदर्शवादी और सुखद प्रतीत होता है, लेकिन इसके ठीक विपरीत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बैठक के बाद यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं किया कि परमाणु हथियारों को पूरी तरह छोड़ना लगभग नामुमकिन है। यही विरोधाभास इस पूरे घोषणापत्र की असलियत को उजागर करता है। यदि हम घोषणापत्र की भाषा को ध्यान से पढ़ें, तो इसमें परमाणु हथियारों की संख्या घटाने या नई हथियार संधि करने जैसा कोई ठोस और बाध्यकारी वादा नहीं है। इसमें केवल %परमाणु जोखिम कम करने की बातचीत% और रणनीतिक स्थिरता बनाए रखने की बात कही गई है। %न्यू स्टार्ट% संधि की समाप्ति के बाद वैश्विक परमाणु नियंत्रण व्यवस्था में जो शून्य पैदा हुआ था, उसे भरने के बजाय तीनों महाशक्तियों ने केवल संवाद की औपचारिकता निभाई है। विडंबना यह है कि एक तरफ चीन परमाणु मुक्त विश्व की अपील कर रहा है, तो दूसरी तरफ वह स्वयं अपने परमाणु शस्त्रागार का सबसे तेज गति से विस्तार कर रहा है। अमेरिका और रूस के पास पहले से ही दुनिया के नब्बे प्रतिशत से अधिक परमाणु हथियार मौजूद हैं। ऐसे में, बिना किसी ठोस कटौती के निरस्त्रीकरण की बातें करना वैश्विक जनमत को भ्रमित करने जैसा ही है।शेनझेन बैठक का सबसे चौंकाने वाला और कम चर्चित पहलू वह है, जहाँ इन तीनों वैचारिक रूप से विरोधी महाशक्तियों के हित आपस में पूरी तरह मेल खाते हैं। यह पहलू है अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और वैश्विक न्याय प्रणाली को कमजोर करने का साझा प्रयास। घोषणापत्र में संयुक्त राष्ट्र में सुधार की बात तो कही गई है, लेकिन इसके साथ ही तीनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के खिलाफ एक अभूतपूर्व एकजुटता दिखाई है। यह किसी से छिपा नहीं है कि रूस, अमेरिका और चीन, तीनों ही अपने-अपने कारणों से अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों और संधियों की निगरानी से बाहर रहना चाहते हैं। जब विश्व की तीन सबसे ताकतवर सरकारें मिलकर किसी वैश्विक न्यायिक संस्था के अधिकारों को सीमित करने पर सहमत होती हैं, तो यह छोटे और विकासशील देशों के लिए खतरे की घंटी बन जाता है। इसका सीधा अर्थ यह है कि महाशक्तियां एक ऐसी व्यवस्था गढ़ना चाहती हैं, जहाँ नियम-कानून केवल कमजोर राष्ट्रों पर लागू हों, जबकि ताकतवर देश अपनी शर्तों पर दुनिया चलाएं। इसके अतिरिक्त, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व के संकट और ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे ज्वलंत वैश्विक मुद्दों पर इस घोषणापत्र की चुप्पी यह साबित करती है कि तीनों नेताओं ने उन विवादित विषयों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है, जिन पर उनके बीच टकराव की संभावना थी। इसे कूटनीति की भाषा में %सुविधाजनक समझौता% कहा जाता है, जहाँ वास्तविक समस्याओं को हल करने के बजाय केवल अपनी छवि चमकाने वाले बिंदुओं पर सहमति बनाई जाती है।भारत के दृष्टिकोण से, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के नीति निर्माताओं, उद्योग जगत और आम नागरिकों के लिए इस त्रिपक्षीय जुगलबंदी के गहरे निहितार्थ हैं। भारत की विदेश नीति सदैव रणनीतिक स्वायत्तता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की पक्षधर रही है। यदि अमेरिका, रूस और चीन मिलकर किसी बिग-थ्री क्लब का निर्माण करते हैं, तो यह भारत के बहुध्रुवीय विश्व के सपने के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। विशेष रूप से चीन की भूमिका भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। शेनझेन की मेज पर बैठकर चीन ने स्वयं को एक शांतिदूत और जिम्मेदार वैश्विक नेता के रूप में पेश करने का सफल प्रयास किया है, जबकि वास्तविकता यह है कि उत्तरी सीमाओं पर उसकी आक्रामकता और हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी विस्तारवादी नीतियां आज भी क्षेत्र की शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बनी हुई हैं। जब अमेरिका और रूस भी चीन को वैश्विक व्यवस्था का एक बराबर का साझेदार मानने लगते हैं, तो एशिया में शक्ति संतुलन प्रभावित होना तय है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि महाशक्तियों की इस नई दोस्ती की कीमत किसी भी रूप में एशियाई देशों की संप्रभुता या हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्वतंत्रता को न चुकानी पड़े। इसके साथ ही, रूस के साथ भारत के पारंपरिक और भरोसेमंद संबंधों को भी इस बदलते समीकरण के बीच नए सिरे से साधने की आवश्यकता होगी।हालांकि, इस घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा पक्ष भी है, जो भारत के हर नागरिक की रोजमर्रा की जिंदगी और रसोई के बजट को प्रभावित करता है। शेनझेन घोषणापत्र में तीनों महाशक्तियों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाने और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने पर सहमति जताई है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का अस्सी प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है। यदि इस सहमति के परिणामस्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें नियंत्रित रहती हैं और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला सुचारू बनी रहती है, तो यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर होगी। इससे देश में महंगाई को काबू में रखने, परिवहन लागत घटाने और बुनियादी ढांचे की विकास योजनाओं को गति देने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, यदि अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव कम होता है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता आएगी, जिसका लाभ भारतीय निर्यातकों और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र को भी मिल सकता है। साथ ही, घोषणापत्र में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का जो जिक्र किया गया है, भारत को उसका कूटनीतिक लाभ उठाते हुए अपनी स्थायी सदस्यता के दावे को और अधिक मुखरता से वैश्विक मंच पर रखना होगा।दरअसल शेनझेन की इस ऐतिहासिक बैठक को विश्व शांति के अंतिम समाधान के रूप में देखने की भूल नहीं की जानी चाहिए। इतिहास गवाह है कि जब भी महाशक्तियों ने बंद कमरों में बैठकर दुनिया की तकदीर लिखने की कोशिश की है,

उसका परिणाम नए शीत युद्ध, अविश्वास या क्षेत्रीय अस्थिरता के रूप में ही सामने आया है। सच्ची और स्थायी वैश्विक शांति केवल तीन देशों के राष्ट्राध्यक्षों के हाथ मिलाने या चार-सूत्रीय घोषणापत्र जारी करने से स्थापित नहीं हो सकती। परमाणु हथियारों का खतरा तभी समाप्त होगा, जब महाशक्तियां अपने शस्त्रागारों में वास्तविक, समयबद्ध और पारदर्शी कटौती करेंगी और इसके सत्यापन के लिए स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय निगरानी को स्वीकार करेंगी। इसके साथ ही, इक्कीसवीं सदी की किसी भी नई वैश्विक व्यवस्था में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र और ग्लोबल साउथ के विकासशील देशों की आवाज को बराबर का सम्मान मिलना अनिवार्य है। शेनझेन की मेज से निकला संदेश स्पष्ट है कि दुनिया एक बड़े भू-राजनीतिक बदलाव के मुहाने पर खड़ी है, और इस बदलती बिसात पर भारत को अपनी कूटनीतिक सूझबूझ, आर्थिक मजबूती और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पहले से कहीं अधिक सतर्क और सक्रिय रहना होगा।

संपादकीय

सोना कितना सोना

भारत में सदियों से सोने का सम्मोहन रहा है। हमारे लिये यह सोना महज कीमती धातु ही नहीं है बल्कि हम सबके संस्कारों, रीति-रिवाजों और धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा रहा है। मौजूदा दौर में यह लाखों परिवारों के लिये एक निवेश और वित्तीय सुरक्षा का जरिया भी है। माना जाता है कि सोना संकट का साथी है। इसलिये, सोने के आभूषणों की शुद्धता के मामले में कोई समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता है। लेकिन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों ने %ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स% यानी बीआईएस की निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियों को उजागर किया है। निस्संदेह, यह एक ऐसी चेतावनी है, जिसे नियामक भी अनदेखी नहीं कर सकते। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में अस्सी फीसदी से अधिकृत पंजीकृत जौहरियों की जांच न कर पाना विडंबना ही है। इसके साथ ही हॉलमार्किंग केंद्रों के अनिवार्य ऑडिट में 43.7 फीसदी की कमी होना नियामक संस्था के अपने कर्तव्यों की पालना में गंभीर लापरवाही को ही दर्शाता है। यह बात भी बेहद चिंताजनक है कि प्रवर्तन कार्रवाई, कानूनी मुकदमों और दंडात्मक कार्रवाई के कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं रखे गये हैं। जो नियामक संस्था नियमों के पालन की ठीक से निगरानी नहीं कर सकती अथवा नियमों के उल्लंघन पर नजर नहीं रख सकती, निश्चित रूप से वह पूरी निगरानी प्रणाली की विश्वसनीयता को ही कमजोर कर देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह उपभोक्ताओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पायी है। वहीं दूसरी ओर रेनियम की कथित मिलावट की जांच, जो संभवत- नियमित शुद्धता परीक्षाओं की जांच में पकड़ में नहीं आ पायी थी, इस बात को ही उजागर कर देती है कि सही मायने में केवल मौजूदा परीक्षण विधियों पर निर्भर रहने की अपनी सीमाएं हैं। जो जांच के तौर-तरीकों में बदलाव की जरूरत को बताता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोने को लेकर ग्राहकों के विश्वास को हर कीमत पर बनाये रखना लाजिमी है। जांच परीक्षण में सोने की शुद्धता स्पष्ट न होना हालांकि एक अलग मामला है, लेकिन इससे यह अंतिम निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता है कि सोने में बड़े पैमाने पर मिलावट हो रही है। लेकिन इतना जरूरी है कि सोने को गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतारने के लिये जांच के लिये अधिक उन्नत परीक्षण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही गुणवत्ता के मानकों के निर्धारण के लिये स्वतंत्र सत्यापन की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है। देश में नियामक संस्था के लिये मैनपॉवर की कमी नहीं है। वहीं दूसरी ओर भौगोलिक बाधाओं को अपर्याप्त निगरानी के लिये स्थायी बहाना नहीं बनाया जा सकता है। 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' को अपनी निरीक्षण क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत व पारदर्शी करना चाहिए। यदि उन्नत टेस्टिंग वाली तकनीक को अपनाया जाता है तो लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कायम होगा। सही मायने में ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स को जोखिम-आधारित निगरानी प्रणाली लागू करनी चाहिए। साथ ही सख्त जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है। इसके अलावा थर्ड-पार्टी ऑडिट और विकेंद्रीकृत निगरानी व्यवस्था से भी कवरेज में सुधार किया जा सकता है। सही मायने में उपभोक्ताओं को 'बीआईएस केयर' ऐप के जरिये बीआईएस हॉलमार्क और छह अंकों वाले हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन यानी एचयूआईडी कोड की जांच जरूर करनी चाहिए। यह भी कि उपभोक्ता हमेशा प्रतिष्ठित ज्वैलर्स से ही सोने के आभूषण खरीदें। साथ ही उपभोक्ता को सुनार से विस्तृत बिल की मांग भी करनी चाहिए। सही मायने में, हॉलमार्किंग सोने के आभूषण पर लगा महज एक ठप्पा मात्र नहीं है। बल्कि यह सोने की शुद्धता का वायदा भी है। दूसरे शब्दों में कहें तो हॉलमार्क को कड़े निरीक्षण, पारदर्शी प्रवर्तन और भरोसेमंद टेस्टिंग का संबल मिलना चाहिए। सही अर्थों में इन सुरक्षा मानकों के अनुपालन के बिना, नियामक ढांचा कभी भी सोने जितना खरा होने का दावा नहीं कर पाएगा।

बिहार में एनडीए सरकार का एक साल: विकास की नई दिशा और आर्थिक बदलाव की तैयारी

बिहार में विकास की चर्चा अब तक मुख्य रूप से सामाजिक परिवर्तन, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और आम लोगों की भागीदारी बढ़ाने के संदर्भ में होती रही है। पिछले दो दशकों में राज्य ने सड़क निर्माण, शिक्षा, कानून-व्यवस्था और महिला सशक्तीकरण जैसे क्षेत्रों में कई बदलाव देखे हैं। पंचायतों से लेकर सरकारी सेवाओं तक महिलाओं को आरक्षण देने के फैसलों ने उनकी सामाजिक और सार्वजनिक भूमिका को मजबूत किया। इन प्रयासों से राज्य में विकास के लिए जरूरी आधार तैयार हुआ। लेकिन अब बिहार के सामने एक नई चुनौती है। इस आधार को मजबूत आर्थिक व्यवस्था में बदलना, ताकि उद्योग स्थापित हों, निजी निवेश आकर्षित हो और प्रदेश के युवाओं को अपने घर के आसपास ही रोजगार मिल सके।इसी पृष्ठभूमि में नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव के बाद गठित एनडीए सरकार के पहले वर्ष को देखा जाना चाहिए। अप्रैल 2026 में सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। उनके नेतृत्व में सरकार की प्राथमिकताओं में औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षित करना, तकनीकी क्षेत्र में संभावनाएं तलाशना और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आर्थिक योजना तैयार करना शामिल है। बिहार के लिए यह बदलाव इसलिए अहम है, क्योंकि अब तक राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि और पारंपरिक व्यवसायों की बड़ी भूमिका रही है। उद्योग और निजी क्षेत्र का विस्तार इस आर्थिक ढांचे को अधिक विविध और मजबूत बना सकता है।

पांच लाख करोड़ के निवेश से औद्योगिक विस्तार की उम्मीद

राज्य सरकार ने पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए निवेश प्रोत्साहन पैकेज का विस्तार करने, औद्योगिक परियोजनाओं से जुड़ी मंजूरियों की प्रक्रिया सरल बनाने और 30 दिनों के भीतर स्वीकृति देने की व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में जरूरी आधारभूत सुविधाओं के विकास को भी प्राथमिकता दी गई है।

गया में अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे के अंतर्गत इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर की शुरुआत को इसी रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। इस परियोजना के लिए लगभग 300 एकड़ जमीन के संदर्भ में 12 निवेश समझौतों के माध्यम से करीब 4,200 करोड़ रुपये के संभावित निवेश का प्रस्ताव सामने आया है। इसके अलावा रक्षा उत्पादन, सेमीकंडक्टर, डाटा सेंटर, सीमेंट और पेय पदार्थ निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी औद्योगिक गतिविधियां विकसित करने की संभावनाएं तलाश की जा रही हैं।बिहार की भौगोलिक स्थिति, बड़ी आबादी और श्रमशक्ति उद्योगों के विस्तार के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। राज्य में उपभोक्ताओं का बड़ा बाजार भी मौजूद है। यदि सड़क, रेल और माल परिवहन की सुविधाओं को औद्योगिक क्षेत्रों से प्रभावी तरीके से जोड़ा जाता है, तो निवेशकों के लिए बिहार एक बेहतर विकल्प बन सकता है।

हालांकि, निवेश की घोषणाओं को वास्तविक औद्योगिक इकाइयों में बदलना सबसे बड़ी कसौटी होगी। इसके लिए पर्याप्त जमीन, निर्बाध बिजली आपूर्ति, परिवहन व्यवस्था, प्रशिक्षित कर्मचारियों और समय पर प्रशासनिक मंजूरियों की जरूरत पड़ेगी। निवेशकों के साथ किए गए समझौतों को धरातल पर उतारना ही सरकार की औद्योगिक नीति की वास्तविक सफलता तय करेगा।

विकसित बिहार 2037 के लिए दीर्घकालिक योजना

सरकार की आर्थिक रणनीति का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष विकसित बिहार 2037 का लक्ष्य है। राज्य गठन के 125 वर्ष पूरे होने की पृष्ठभूमि में बिहार को विकास के अगले स्तर तक पहुंचाने के लिए दीर्घकालिक योजना तैयार करने की कोशिश की जा रही है। इसी उद्देश्य से नीति आयोग की तर्ज पर एक अलग विकास आयोग गठित करने की पहल की गई है।

इस प्रस्तावित व्यवस्था के माध्यम से अलग-अलग विभागों की योजनाओं को एक साझा विकास लक्ष्य से जोड़ने और उनके कामकाज की नियमित समीक्षा करने का प्रयास होगा। अक्सर सरकारी योजनाओं में विभागीय तालमेल की कमी और क्रियान्वयन में देरी के कारण अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाते। ऐसे में विकास आयोग योजनाओं की प्राथमिकताएं तय करने और उनके प्रभाव का आकलन करने में उपयोगी भूमिका निभा सकता है।दीर्घकालिक विजन को पांच वर्षों के सात निश्चय-3 कार्यक्रम से भी जोड़ा गया है। इस कार्यक्रम में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी करने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने, किसानों की आमदनी में सुधार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और शहरों के नियोजित विकास जैसे लक्ष्य रखे गए हैं।इन उद्देश्यों को एक-दूसरे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। औद्योगिक विकास के लिए बेहतर शिक्षा और कौशल जरूरी हैं। किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि आधारित उद्योगों और बाजार तक पहुंच की व्यवस्था चाहिए। वहीं, बढ़ती आबादी और आर्थिक गतिविधियों के दबाव को देखते हुए शहरी सुविधाओं का विस्तार भी आवश्यक होगा। इसलिए विकसित बिहार का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब विकास की प्रक्रिया राज्य के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों तक पहुंचे।



आर्थिक विकास की बदलती परिस्थितियों में तकनीकी नवाचार की भूमिका लगातार बढ़ रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल सेवाओं और स्टार्टअप आधारित कारोबार ने रोजगार तथा उद्यमिता के नए रास्ते खोले हैं। बिहार सरकार भी इन क्षेत्रों में अपनी संभावनाएं विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।बिहार एआई नीति 2026, आर्यभट्ट दृष्टि परियोजना और तकनीकी कौशल विकास से जुड़ी पहलें इसी प्रयास का हिस्सा हैं। नवंबर में मंत्रिपरिषद ने आर्यभट्ट दृष्टि परियोजना के लिए 190.32 करोड़ रुपये की संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की। इसके साथ उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाली छात्राओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बिहार की बेटी स्टार्टअप चैलेंज योजना को भी मंजूरी दी गई।इन पहलों से राज्य में तकनीक आधारित व्यवसायों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की संभावना है। विशेष रूप से उन युवाओं को लाभ मिल सकता है, जो पारंपरिक नौकरियों के बजाय अपना उद्यम शुरू करना चाहते हैं। लेकिन इसके लिए केवल नीतियां और वित्तीय स्वीकृतियां पर्याप्त नहीं होंगी। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में तकनीकी शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण, मेंटरशिप और उद्योगों के साथ साझेदारी को भी मजबूत करना होगा।बिहार की विकास रणनीति में महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को स्वरोजगार की शुरुआत के लिए 10 हजार रुपये की प्रारंभिक आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसके बाद रोजगार गतिविधियों की प्रगति का आकलन करके दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता देने का प्रावधान भी रखा गया है।आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2026 तक 1.81 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में कुल 18,100 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जा चुके थे। इसके बाद अगस्त में पांच लाख महिलाओं को 600 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 68 हजार महिलाओं को 20-20 हजार रुपये की दूसरी किस्त दिए जाने की जानकारी सामने आई। इस योजना का महत्व केवल महिलाओं को आर्थिक मदद देने तक सीमित नहीं है। यदि सहायता राशि का उपयोग छोटे कारोबार, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण, सिलाई-कढ़ाई और स्थानीय जरूरतों से जुड़े व्यवसायों में किया जाता है, तो इससे परिवार की आमदनी बढ़ने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिल सकती है।

हालांकि, स्वरोजगार को टिकाऊ बनाने के लिए महिलाओं को व्यवसाय संचालन, वित्तीय प्रबंधन, उत्पाद की गुणवत्ता और बाजार से जुड़ने का प्रशिक्षण देना जरूरी होगा। स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर विपणन व्यवस्था और डिजिटल प्लेटफॉर्म तक पहुंच भी इस दिशा में मददगार साबित हो सकती है।बिहार के विकास के सामने रोजगार की कमी और दूसरे राज्यों की ओर होने वाला पलायन अब भी बड़ी चुनौतियां हैं। औद्योगिक निवेश की योजनाएं तभी प्रभावी साबित होंगी, जब उनसे स्थानीय स्तर पर रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा होंगे। केवल बड़े उद्योगों की स्थापना से यह लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए लघु एवं मध्यम उद्योगों, कृषि आधारित इकाइयों और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को भी समान महत्व देना होगा।बिहार कृषि प्रधान राज्य है। यहां उत्पादित फसलों और अन्य कृषि उपज के प्रसंस्करण, भंडारण तथा विपणन की बेहतर व्यवस्था विकसित की जाए तो ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए केंद्र बन सकते हैं। इससे किसानों को अपने उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलने की संभावना भी बढ़ेगी। छोटे उद्यमों को सस्ता ऋण, तकनीकी सहायता और बाजार उपलब्ध कराना इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए।

इसके साथ सड़क, रेल और हवाई संपर्क का विस्तार तथा लॉजिस्टिक्स सुविधाओं में सुधार भी जरूरी है। किसी औद्योगिक परियोजना की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि कच्चा माल कितनी आसानी से पहुंचे और तैयार उत्पाद बाजार तक कितनी कम लागत में पहुंच सके।शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार को भी आर्थिक विकास की रणनीति से जोड़ना होगा। प्रशिक्षित और स्वस्थ कार्यबल ही उद्योगों की जरूरतों को पूरा कर सकता है।

रंग और डिजाइन का रखें ख्याल



आप जब ड्रेसेस खरीदने जाती हैं तो कलर को लेकर आपके मन में एक ऊहापोह सा बना रहता है, इससे बचने के लिए सबसे पहले तो आप ये बात ध्यान दें कि कपड़ा किसके लिए ले रही हैं। यदि आपका अपना रंग डार्क है तो आप लाइट कलर को तवज्जों दें तो आपके लिए बेहतर होगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि आप डार्क कलर नहीं पहन सकती हैं।

आप अपने डिजाइनर कलेक्शन में पर्पल, पिंक, पीच और रेड कलर के ड्रेस ले सकती हैं। आपकी पर्सनैलिटी में आपके कपड़ों के रंग के साथ उसके डिजाइन का भी अहम स्थान होता है। इस समय फैशन को लेकर लड़कियों में इंडियन आर्ट् के साथ कढ़ाई वाले ड्रेस साथ में हों, अच्छे कट्स और फिटिंग, यदि इनमें तार और पत्थरों के डिजाइन हों तो और भी अच्छा है। इसके साथ ब्राइट फ्रेश टोन अच्छे हैं। ट्यूनिक ड्रेसेस, इवनिंग गाउन, टॉप, स्कर्ट, लेगिंग्स पैंट और हूडेड जैकेट्स ये आजकल फैशन में हैं। आजकल जींस के साथ शार्ट कुरतों का काफी चलन है, जो आपको फंकी लुक देता है और साथ में आपके अंदर लीडरशिप जैसे गुण भी देता है। इसके साथ ही बफर प्लेटफार्म पहने तो खूब फबेगा और हां, यदि आप चूड़ीदार सलवार की जगह स्लैक्स या जींस ट्राय को अपने पर प्रयोग करें तो काफी आकर्षक और सेक्सी नजर आएंगी। आजकल स्लैक्स का फैशन बाजार में फिर से लौट आया है। हाई वेस्ट कुर्ते और रोल्ड अप स्लीवस के साथ एक खूबसूरत स्टोल आपको एक स्टाइलिश लुक देते हैं। आपकी खूबसूरती आपका कांफिडेंस होता है और ये मिलेगा आपकी थोड़ी सी समझदारी और समझ से, जो आपको अपने दोस्तों के बीच कांफिडेंसिव सुंदरता देता है।

क्या आजमाएं क्या करें एवाइड



आपको गर्मियों में ज्यादा एसेसरीज पहनने से हमेशा बचना चाहिए। ऑक्सीडेंट ज्वैलरी को न पहनें तो ही अच्छा है, इससे आपकी त्वचा पर इंफेक्शन हो सकता है। प्लास्टिक, जूट, लकड़ी की ज्वैलरी पहनें। आप चाहे तो कफ बैंगल्स को भी फैशन में यूज कर सकती हैं। इस समय एक हाथ में मोटे और अलग-अलग स्टाइल के बैंगल्स पहनने का काफी ट्रेंड है। इसमें डेनिम और कॉर्डरॉय के बैग इस समर में आपके स्टाइल को कई गुना बढ़ा सकते हैं। आपकी ये स्टाइल आपको जहां एक नया लुक देगी, वहीं आपको गर्मी के उलझनों से भी मुक्त रखने में सहायक होगी। चढ़ती-जलती धूप में कपड़ों के रंग का भी ख्याल रखना बहुत जरूरी है। गर्मियों में ड्रेस के कलर, कट्स और डिजाइन बिलकुल बदल जाते हैं। हल्के रंगों का महत्व बढ़ जाता है, जिसमें व्हाइट, पिंक, लाइट यलो, लाइट ब्लू रंग खास हैं। वहीं ब्लैक, ब्राउन और ग्रे रंगों को पहनने से बचें। अगर डिजाइन की बात की जाए, तो अंब्रेला, अनारकली, स्टेट जींस, नी-लेंथ कैपरी आदि पहन सकती हैं। हॉल्टेड, बैकलेस नेक भी समर में पहना जा सकता है।

कई कलर्स और डिजाइंस



इंडिगो ब्रदर्स ने इस मौसम के लिए बेहतरीन कलेक्शन लांच किया है। इसमें महिला व पुरुष दोनों के लिए कई तरह की ड्रेसेज लाई गई हैं। ये लाइटवेट हैं और इसमें खासतौर से शर्ट्स व टी- शर्ट में आपको कई कलर्स व डिजाइन मिल जाएंगे। ये डिजाइंस ग्राफिक्स, पैटर्न, स्ट्रिप्स, चेक्स वगैरह में हैं। इंटरनेशनल स्टाइल्स के साथ ही इसमें हाई फैशन, फेमनिन और वोगिस डिजाइंस मिलेंगे।

फैशन इंडस्ट्री अब सबको स्पेशल बनाने की तैयारी में है और वह भी जेब पर भारी पड़े बिना। दरअसल, खास क्लास तक सिमटी यह इंडस्ट्री नए बिजनेस की तलाश में अब मास के लिए भी काम करने लगी है। ऐसे में अब बाजार में कम दामों पर भी डिजाइनर ड्रेसेस मिलने लगी हैं।

फैशन का पॉकेट फ्रेंडली फंडा



फैशन और स्टाइल के मामले में पिछले कुछ समय से यूथ जितना कॉन्शस हुआ है, यह उतना ही अफोर्डेबल हुआ है। डिजाइनर ड्रेसेज अब उतने महंगे नहीं रहे। अब ये बेहद कम प्राइस वाले रेंज में भी मार्केट में उपलब्ध हैं। इसलिए अब ऑफिस, पार्टी से लेकर शादी तक की खास ड्रेस अपने लिए यूनीक चुनी जा सकती है और वह भी अपने पॉकेट के अनुसार। फैशन डिजाइनर्स भी मानने लगे हैं कि उनका कलेक्शन ऐसा हो जो सबकी पहुंच में हो। दिल्ली में हुए फैशन वीक में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां डिजाइनर्स अपने कलेक्शंस की प्राइस रेंज को एक खास बजट में लेकर आ रहे हैं।

क्या है कारण

मंदी ने हर बिजनेस का फंडा ठंडा कर दिया है और इससे उबरने के लिए लोग तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। फैशन भी इससे अछूता नहीं है। मंदी की मार झेल रहे फैशन ने इससे ऊबरने के लिए जोरदार तैयारी कर चुका है। अभी तक एक खास वर्ग के लिए कपड़े डिजाइन करने वाले डिजाइनर्स मिडिल क्लास से जुड़ने की सोच रहे हैं। इसके लिए वे तैयारी भी कर चुके हैं। तमाम डिजाइनर्स इस फंडे पर काम रहे हैं। यही वजह है कि अब डिजाइनर ड्रेसेस की शुरुआती रेंज 3000 से 4000 रुपए के बीच पहुंच गई है।

क्या कहते हैं डिजाइनर्स

फैशन इंडस्ट्री में एक मुकाम बना चुकी डिजाइनर अनुपमा कहती हैं, हर इंडस्ट्री बिजनेस ओरिएंटेड होती है। तमाम फैशन इवेंट्स इसी के लिए काम कर रहे हैं। इतनी बड़ी इंडस्ट्री एक खास क्लास के दम पर नहीं चल सकती। यही वजह है कि डिजाइनर्स अब लोगों के टेस्ट व बजट का ख्याल रखकर काम कर रहे हैं। यंग डिजाइनर सुदेश सोढ़ी कहते हैं कि मास के साथ जुड़ने में ही फैशन इंडस्ट्री को फायदा है, क्योंकि इंडस्ट्री को पैसा यहीं से मिलेगा। वैसे, वह फैशन ट्रेंड को भी इसकी एक वजह बताते हैं। इन दिनों ड्रेसेस में सेपरेट्स का ट्रेंड है। यानी एक बार लेगिंग या ट्राउजर खरीदने के बाद एक्सक्लूसिव कुर्ते, ट्यूनिक्स या शर्ट्स ली जा सकती हैं। बेशक, इस तरह पूरी ड्रेस महंगी नहीं पड़ेगी और आपको एक खास स्टाइल स्टेटमेंट भी मिल जाएगी।

कॉम्पिटीशन

पहले जहां गिने-चुने डिजाइनर्स होते थे, वहीं अब इंडियन फैशन इंडस्ट्री में डिजाइनर्स की काफी संख्या है। इनके आने से कॉम्पिटीशन टफ हुआ है। ऐसे में मार्केट में सरवाइव करने में कॉस्ट फैक्टर बेहद अहम हो जाता है। डिजाइनरों की होड़ से कस्टमर्स का काम आसान हुआ है। डिजाइनर राजीव इस बात से सहमत हैं। वह कहते हैं इस बार फैशन वीक में 141 डिजाइनर्स हिस्सा ले रहे हैं और जाहिर है सभी को बिजनेस चाहिए। इस फेर में फायदा कस्टमर को होगा। अगर किसी डिजाइनर को मास तक पहुंचना है, तो उन्हें खुद की पॉकेट का ख्याल रखना ही पड़ेगा। कुछ का यह भी मानना है कि इंडस्ट्री के पास फिलहाल टारगेट अपर मिडिल क्लास के कस्टमर्स को खुश करना है, दुनिया की निगाहें आज भी भारत के मिडिल क्लास पर टिकी हुई हैं।

क्वॉलिटी फैक्टर

फैशन के इस दौर में सब कुछ साथ साथ नहीं हो सकता। यदि आप चाहते हैं कि आप जो कपड़े पहने, वह डिजानर्स के द्वारा तैयार किया गया हो, क्वालिटी भी बेहतरीन हो और सस्ता भी हो, यह पूरी तरह से सच साबित नहीं हो सकता। आपको कुछ न कु छ तो कंप्रोमाइज करना ही पड़ेगा। डिजाइनर रजनी कहती हैं कि जिस तरह हर फिल्म सभी की पसंद पर खरी नहीं उतरती, उसी तरह हर क्लास के फैशन का टेस्ट भी अलग होगा। अब 5000 रुपए में ड्रेस पर स्पेशल स्वरोस्की वर्क नहीं मिल सकता। हालांकि इसे क्वॉलिटी के साथ कॉम्प्रोमाइज नहीं कहेंगे, क्योंकि डिजाइनर वियर का मतलब ड्रेस के स्पेशल होने से ही होगा। फिर प्रेट लाइन का मतलब ही सभी के लिए स्पेशल रेडी टू वियर की वैरायटी होता है।

आकर्षक दिखने के फेर में त्वचा की शामत

महिलाओं में हमेशा आकर्षक दिखने की चाह रहती है। लेकिन कई बार होता यह है कि आकर्षक दिखने के चक्कर में वह इतनी क्रीमें या अन्य प्रसाधन बदल लेती हैं कि चेहरे का आकर्षण बढ़ने की बजाय कम हो जाता है। आकर्षक चेहरे के लिए पहली आवश्यकता है, ताजगी से भरपूर साफ व सुंदर त्वचा। आज महिलाएं स्वस्थ व कोमल त्वचा के प्रति जागरूक हो गई हैं और त्वचा की कांति बरकरार रखने के लिए किसी जादुई क्रीम की तलाश में हैं। क्रीम खरीदने की इच्छुक महिलाओं को तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है-

- वे महिलाएं जो उत्पादकों के लंबे-चौड़े वादों को झूठा मानती हैं किन्तु हिचकते हुए क्रीम खरीदती हैं।
- वे महिलाएं, जो किसी भी नई क्रीम का नाम सुनते ही उसे इस आशा में खरीद लेती हैं कि शायद इसी से उनका चेहरा आकर्षक बन जाए।
- ऐसी महिलाएं, जो क्रीम की अधिक कीमत को ही उसके असरदार होने की गारंटी मान लेती हैं।

आप इन तीनों में से किसी भी प्रकार की ग्राहक क्यों न हों, वास्तविकता यह है कि कोई भी क्रीम, जो आप लगाती हैं, आपके चेहरे पर असर तो करती ही है क्योंकि हर क्रीम पानी की नमी को बरकरार रख कर त्वचा को सूखने से बचाती है। ज्ञातव्य है कि महिलाओं के चेहरे पर उम्र के लक्षण पैदा करने में सूखी त्वचा ही सबसे अधिक गुनाहगार साबित होती है। आप देखेंगी कि अकसर सौंदर्य विशेषज्ञ किसी एक क्रीम का विज्ञापन करते नजर आते हैं पर लगभग सभी इस बात से सहमत हैं कि कुछ तत्व ऐसे होते हैं, जिनसे कोई भी क्रीम अधिक असरदार हो जाती है, वे तत्व इस प्रकार हैं-

(सेरामाइड)- सेरामाइड स्वाभाविक रूप से त्वचा के कोषों को आपस में जोड़े रखता है, तथा त्वचा को लटकने से बचाता है।

(अल्फा हाइड्रोसी एसिड)- यह दूध, फल और गन्ने से बनाया जाता है पर अब इस का सिंथेटिक उत्पादन भी शुरू हो गया है। इससे त्वचा में चमक और कोमलता आती है। यह त्वचा की कोशकीय गतिविधि को बढ़ा कर उसकी नमी बरकरार रखने की क्षमता में वृद्धि करता है। झुर्रियों के इलाज के लिए ग्लाइकोलिक और लेक्टिक एसिड सबसे असरदार होते हैं। लेकिन एएचए के अधिक प्रयोग से त्वचा की परतें उखड़ने लगती हैं। सूर्य की किरणों के प्रति भी त्वचा अधिक संवेदनशील हो जाती है इसलिए याद रखें कि इसका प्रयोग सप्ताह में एक या दो बार ही करना चाहिए।

(विटामिन)- विटामिन ए से त्वचा की नमी बढ़ती है। विटामिन बी-5 त्वचा की कंडीशनिंग कर उसको मुलायम बनाता है। एंटीआक्सीडेंट ई से भी त्वचा को विशेष लाभ पहुंचता है।

(सनस्क्रीन)- त्वचा को रोजमर्रा में यूवए और यूवीबी किरणों से बचाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक तत्व है। त्वचा को सुंदर और आकर्षक बनाए रखने के लिए निम्न हिदायतों पर गौर किया जा सकता है- त्वचा की देखभाल ध्यान से करें क्योंकि झुर्रियों के लक्षण नजर आते ही अनेक महिलाएं घबरा जाती हैं और तरह-तरह की क्रीमों का प्रयोग करने लगती हैं। वैसे क्रीमों का प्रयोग अगर अधिक मात्रा में किया जाए तो उससे त्वचा के प्राकृतिक उत्पादनों में कमी आ जाती है। इससे त्वचा रूखी और बेजान होने लगती है और झुर्रियां भी बढ़ने लगती हैं।

सौंदर्य विशेषज्ञों की सलाह है कि सौंदर्य प्रसाधनों का अत्यधिक प्रयोग करना हानिकारक होता है। यदि आपकी त्वचा ज्यादा तैलीय नहीं है तो टोनर के प्रयोग से बचना चाहिए। चेहरे पर गुनगुने पानी के छींटे मारने से भी त्वचा साफ हो जाती है। अगर आप त्वचा को पानी से धोना पसंद करती हैं तो साबुन रहित क्लींजर का प्रयोग करें। वैसे क्रीम क्लींजर सबसे अधिक असरदार होते हैं। मुलतानी मिट्टी व चंदन का लेप करने से भी काफी फायदा होता है।



हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A1603, संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



'मॉन्स्टर' में सलमान खान की मुश्किलें बढ़ाएंगी

नयन तारा

इतना धांसू होगा रोल, खुल गया राज

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान वापसी को तैयार हैं. यूं तो पहले 'मातृभूमि' रिलीज होगी, जिसके लिए 4 दिसंबर का दिन फाइनल किया गया है. इस पिक्चर से सलमान खान और श्रद्धा कपूर की 'ईठा' का क्लैश होगा. खैर, सलमान खान के पास कोई ऑप्शन नहीं था, इसलिए उन्हें इस वक्त पर फिल्म लानी पड़ी. अब आते हैं 'मॉन्स्टर' की तरफ, जो अगले साल यानी ईद 2027 में रिलीज होगी. इस पिक्चर को वामसी पेडिपल्ली बना रहे हैं और दिल राजू फिल्म के प्रोड्यूसर हैं. वहीं, सलमान खान के अपोजिट फिल्म में नयनतारा काम करती दिखेंगी. अब एक्ट्रेस के रोल को लेकर गजब का अपडेट सामने आ गया है.हाल ही में बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि, सलमान खान की 'मॉन्स्टर' में नयनतारा के किरदार में एक दिलचस्प मोड़ है. जानकारी मिली कि, वामसी पेडिपल्ली की इस एक्शन फिल्म में वो सलमान की पत्नी का रोल कर रही हैं. लेकिन साथ ही वो एक अंडरकवर पुलिस अफसर भी हैं, जिन्हें अपने ही पति को



पकड़ने का काम सौंपा गया है. यह टक्कर फिल्म में एक जबरदस्त ड्रामा पैदा करने वाली है.

'मॉन्स्टर' में सलमान से भिड़ेंगी नयनतारा ?

दरअसल 'मॉन्स्टर' में नयनतारा बतौर फीमेल लीड काम कर रही हैं. उसी रिपोर्ट से पता लगा कि नयनतारा का किरदार फिल्म में न सिर्फ एक्शन से भरपूर होगा. बल्कि इसमें इमोशनल एंगल भी होगा. यह भी कहा जा रहा है कि वो न केवल हीरो की पर्सनल लाइफ का हिस्सा हैं, बल्कि एक ऑफिशियल मिशन के तहत उनके खिलाफ काम करती नजर आएंगी. जिससे 'मॉन्स्टर' में पति-पत्नी के बीच एक तनाव से भरा हुआ रिश्ता दिखेगा. वहीं, यह कहानी में एक और नया एंगल जोड़ेगी.दरअसल 'मॉन्स्टर' का डायरेक्शन वामसी पेडिपल्ली ने किया है. और इसे दिल राजू ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म में सलमान खान और नयनतारा लीड रोल में दिखाई देंगे. इसे एक पैन-इंडिया कमर्शियल एंटरटेनर के तौर पर तैयार किया जा रहा है. यह फिल्म ईद 2027 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. जिससे इस प्रोजेक्ट को कैलेंडर के सबसे बड़े फेस्टिवल में से एक बनने का मौका मिल गया है. दरअसल शाहरुख खान के बाद वो सलमान खान के साथ कितना धमाल करती हैं, यह देखनी वाली बात होगी.

मनु पंजाबी ने लगाई कनिका मान की क्लास, लव गिल के लुक्स पर कमेंट करने से लेकर पीठ पीछे चुगली तक, खुल गई सारी पोल



रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' के लेटेस्ट एपिसोड में एक्ट्रेस कनिका मान फिर एक बार शो के होस्ट सलमान खान के निशाने पर रही. वीकेंड के वार पर सलमान खान ने कनिका मान को न सिर्फ उनके गुस्से पर आईना दिखाया, बल्कि घरवालों की पीठ पीछे चुगली करने और सह-कंटेस्टेंट लव गिल के चरित्र हनन (कैरेक्टर असासिनेशन) को लेकर भी जमकर फटकार लगाई. इस दौरान घर के बाहर से आए वीडियो संदेशों ने भी कनिका के दोहरे रवैये को सबके सामने उजागर कर दिया.एपिसोड की शुरुआत में जहां गुल्लू ने कनिका मान के साथ फ्लर्ट करते हुए कहा कि उनके दिल में कनिका के लिए एक सॉफ्ट कॉर्नर बनने लगा है और कनिका शरमाती दिखीं, वहीं 'वीकेंड का वार' शुरू होते ही कनिका के चेहरे का रंग उड़ गया. सलमान खान ने सबसे पहले कनिका मान को पिछले वीकेंड पर काजी तौकीर के प्रति दिखाए गए उनके गुस्से भरे रवैये पर रियलिटी चेक दिया. अपनी गलती का एहसास होने पर कनिका ने तुरंत सलमान खान से अपने व्यवहार के लिए माफी मांग ली. हालांकि, सलमान खान इस बार कनिका को इतनी आसानी से बख्शने के मूड में बिल्कुल नजर नहीं आए.

पीठ पीछे बात करने पर लगी कनिका की क्लास

सलमान ने कनिका को घर के अंदर लोगों की पीठ पीछे बातें करने और दूसरों के बारे में जजमेंट पास करने पर आड़े हाथों लिया. खासतौर पर लव गिल के चरित्र पर उंगली उठाने को लेकर सलमान ने कनिका को कड़ी फटकार लगाई. इस पर कनिका ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने इस बारे में बात जरूर की थी, लेकिन उनका इरादा गलत नहीं था. आखिरकार कनिका ने अपनी गलती स्वीकार की और लव गिल के खिलाफ इस्तेमाल किए गए शब्दों के लिए माफी मांगी.

मनु पंजाबी और स्काउट के दोस्त ने भी खोली कनिका की पोल

कनिका मान की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं. जब सलमान खान ने घर के बाहर मौजूद समर्थकों के वीडियो क्लिप चलाए, तो पूर्व कंटेस्टेंट मनु पंजाबी ने लव गिल के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करने के लिए कनिका को जमकर लताड़ा. कनिका ने अपनी बातों को सही ठहराने की कोशिश की, लेकिन इसी चक्कर में उनका खुद का दोगलापन सामने आ गया जब यह बात साफ हुई कि उन्होंने पहले लव गिल के लुक्स की भी आलोचना की थी. इसके अलावा, स्काउट ओपी के एक दोस्त ने भी वीडियो संदेश के जरिए कनिका पर पीठ पीछे बातें करने को लेकर सवाल उठाए.

'अलायंस' फेम कुशाल टंडन के पेरेंट्स ने मनाई गोल्डन जुबली, शादी के 50 साल पूरे होने पर दोबारा रचाई शादी



टीवी एक्टर कुशाल टंडन अमेजन प्राइम के रियलिटी शो अलायंस में नजर आए थे. इस शो में उन्होंने बढ़िया गेम खेला था. उनकी गेम की तारीफ हर किसी ने की थी. शो के बाद से ही एक्टर काफी ज्यादा एक्टिव हैं और अपनी लाइफ से जुड़ी चीजें सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं. अब कुशाल ने अपने पेरेंट्स की 50वीं सालगिराह की कुछ तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट किए हैं. एक्टर के पेरेंट्स ने शादी की गोल्डन जुबली मनाई है और इसे खास अंदाज में सेलिब्रेट किया है.जी हां, इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए कपल ने एक बार फिर शादी रचाई और एक-दूसरे के साथ सात फेरे लेकर अपनी पुरानी यादों को ताजा किया. माता-पिता की इस खास खुशी में कुशाल टंडन भी शामिल हुए. उनके इस सेलिब्रेशन की तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं.

कुशाल ने शेयर की तस्वीरें-वीडियोज

कुशाल टंडन ने अपने इंस्टाग्राम पर पेरेंट्स की दोबारा शादी करने की तस्वीरें पोस्ट की हैं. एक्टर ने कुछ वीडियोज भी शेयर किए हैं, जिसमें कुशाल के पेरेंट्स शादी की रस्में निभाते नजर आ रहे हैं. कहीं पर दोनों एक दूसरे को वरमाना पहना रहे हैं. तो कहीं सात फेरे लेते हुए नजर आ रहे हैं. पेरेंट्स के इस खास दिन पर कुशाल भी काफी खुश नजर आ रहे हैं. इन तस्वीरों के पोस्ट करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लंबा नोट भी लिखा है.

कुशाल ने लिखा प्यारभरा नोट

50 साल का साथ, 50 साल का प्यार, हंसी-खुशी, वादे, त्याग और हर मुश्किल में एक-दूसरे का साथ निभाना. आज अपने मम्मी-पापा को शादी की 50वीं सालगिरह मनाते हुए देखना और उनकी शादी की हर छोटी-बड़ी रस्म को दोबारा होते देखना मेरे लिए किसी जादू से कम नहीं है. फेरों से लेकर शादी की सभी खूबसूरत परंपराओं को फिर से निभाना बेहद खास एहसास है. कहते हैं कि सच्चा प्यार देखने का मौका हर किसी को नहीं मिलता और मुझे लगता है कि हम उन खुशनसीब लोगों में से हैं, जिन्होंने इसे इतने करीब से देखा है. सिर्फ एक दिन या एक साल नहीं, बल्कि पूरी जिंदगी तक.लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं कि मुझे प्यार पर इतना भरोसा क्यों है? तो इसकी वजह मेरे माता-पिता हैं. मैंने उन्हें एक-दूसरे से प्यार करते हुए देखा है. उनसे सीखा है कि किसी के साथ पूरी ईमानदारी से रिश्ता निभाना क्या होता है और जिंदगी के हर पड़ाव पर एक-दूसरे को चुनते रहना कितना जरूरी है. प्यार को लेकर मेरी सोच इन्हीं दोनों से बनी है. उन्होंने मुझे सिखाया है कि प्यार सिर्फ बड़े-बड़े वादों या खूबसूरत पलों का नाम नहीं है, बल्कि इसमें धैर्य, दोस्ती, सम्मान, एक-दूसरे को माफ करना और कभी हार न मानना भी शामिल है.इतना ही नहीं कुशाल ने तो ये भी लिखा है कि अगर उन्हें अपने पेरेंट्स जैसा प्यार मिला तो वो भी शादी जरूर करेंगे.

गौरव खन्ना ने आकांक्षा चमोला संग टूटी शादी पर तोड़ी चुप्पी, कहा- किसी को मजबूर नहीं कर सकते

पिछले कुछ साल एक्टर गौरव खन्ना के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं. एक तरफ उन्होंने प्रोफेशनल लाइफ में बड़ी कामयाबी हासिल की. एक्टर ने 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' और 'बिग बॉस 19' जैसे रियलिटी शोज जीते. वहीं, दूसरी तरफ उनकी पर्सनल लाइफ में कई मुश्किलें आईं. कुछ महीने पहले उनकी पत्नी आकांक्षा चमोला ने शादी के करीब 10 साल बाद तलाक का ऐलान किया था. उस वक्त गौरव ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी, लेकिन अब उन्होंने अपनी शादी और रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है.अपने अपकमिंग शो 'दिल की बेवफाइयां' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौरव ने बताया कि उन्होंने अपने पार्टनर को हमेशा अपनी बात रखने का मौका दिया और उनके नजरिए को समझने की कोशिश की. इसके अलावा उन्होंने एक रिश्ते में 'ग्रीन फ्लैग' होने की कीमत के बारे में भी बात की.

आकांक्षा संग टूटी शादी को लेकर क्या बोले गौरव ?

शादी में प्यार और स्थिरता को जरूरी बताते हुए 'अनुपमा' एक्टर गौरव खन्ना ने कहा, मेरा मानना है कि शादी में स्थिरता सबसे जरूरी चीज है. अगर नींव मजबूत है, तो इमारत भी मजबूत रहती है. कभी-कभी लोग शादी में रोमांच और उत्साह को ज्यादा अहमियत देने लगते हैं, जिसका असर स्थिरता पर पड़ता है और कभी इसका उल्टा भी होता है.उन्होंने आगे कहा, दोनों के बीच संतुलन बनाना



बहुत जरूरी है. निजी तौर पर मैंने जिंदगी में अपने फैसलों को लेकर कभी पछतावा नहीं किया. मैं हर चीज में अपना दिल और पूरी मेहनत लगाता हूं. नतीजे आपके हाथ में नहीं होते, लेकिन इसकी वजह से मैं कोशिश करना नहीं छोड़ता. अगर हम पछतावे में ही उलझे रहेंगे, तो जिंदगी में आगे नहीं बढ़ पाएंगे.

'ग्रीन फ्लैग' टैग मिलने पर गौरव ने की बात

'अनुपमा' में काम करने के बाद गौरव खन्ना की पहचान एक 'ग्रीन फ्लैग' इंसान के तौर पर बनी. अब रिश्ते में ग्रीन फ्लैग होने की कीमत के बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा, मेरी परवरिश कुछ इस तरह हुई है कि मेरी मां ने मुझे हमेशा अच्छे संस्कार दिए हैं. उन्होंने मुझे सिखाया है कि सामने वाले को अपनी बात रखने का पूरा मौका देना चाहिए. मैं हमेशा मानता हूं कि किसी पर अपनी राय थोपने के बजाय उसके नजरिए को भी समझना चाहिए.एक्टर ने आगे कहा, अगर सामने वाला कुछ कह रहा है, तो उसकी बात समझने की कोशिश करनी चाहिए, क्योंकि आखिरकार आप जिंदगी में किसी को कुछ करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते. रास्ते में कई मुश्किलें आ सकती हैं, लेकिन ग्रीन फ्लैग होने की सबसे अच्छी बात यह है कि आप चीजों के बारे में ज्यादा नहीं सोचते. इसे भगवान की मर्जी समझिए, आखिर में सब ठीक हो जाता है.

गौरव खन्ना का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर तो हाल ही में खतरों के खिलाड़ी 18 में देखा गया था. वहीं, अब गौरव एकता कपूर के शो 'दिल की बेवफाइयां' में नजर आने वाले हैं.

अफगान स्पिनर नूर बोले- धोनी महान प्लेयर उन्हें सभी मिस करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी भले ही अब आईपीएल में बतौर खिलाड़ी नजर नहीं आएंगे, लेकिन टीम के साथ मेंटर के रूप में उनकी मौजूदगी सीएसके के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। यह मानना है अफगानिस्तान के युवा स्पिनर नूर अहमद का। उन्होंने कहा कि धोनी की विकेट के पीछे शानदार विकेटकीपिंग और मैच फिनिश करने की क्षमता को टीम जरूर मिस करेगी, लेकिन उनका अनुभव और मार्गदर्शन खिलाड़ियों के लिए बेहद मददगार होगा। आईपीएल रिटेंशन की समयसीमा से पहले धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स का मेंटर नियुक्त किया गया। इसके साथ ही आईपीएल में बतौर खिलाड़ी उनके शानदार सफर का अंत हो गया।



धोनी की स्टंपिंग और फिनिशिंग को करेंगे मिस

दुबई में जारी डीपी वर्ल्ड इंटरनेशनल लीग टी20 में दुबई कैपिटल्स की ओर से खेल रहे नूर अहमद ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'हर कोई उन्हें मिस करेगा, लेकिन उनकी नई भूमिका टीम की काफी मदद करने वाली है। मैं खुश हूं कि वह अब भी टीम के साथ जुड़े हुए हैं।' धोनी की किन खूबियों की कमी सबसे ज्यादा खलेगी, इस सवाल पर नूर ने कहा कि उनकी स्टंपिंग और मैच को शानदार तरीके से फिनिश करने की क्षमता को सबसे ज्यादा याद किया जाएगा।

21 वर्षीय नूर अहमद का मानना है कि दुनिया भर की टी20 लीग में खेलने से युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने का मौका मिलता है। अलग-अलग टीमों के अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से उनके खेल में निखार आता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों में खेलने से खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों, मैदानों और मैच के दौरान पैदा होने वाली चुनौतियों को समझने का अनुभव मिलता है। इससे खिलाड़ियों की परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता बेहतर होती है।

परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाली टीम को मिलेगा फायदा

नूर अहमद ने कहा कि इंटरनेशनल लीग टी20 में वही टीमें बेहतर प्रदर्शन करेंगी, जो जल्द से जल्द वहां की परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढाल लेंगी। कई खिलाड़ी लगातार क्रिकेट खेलने के बाद इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, ऐसे में खिलाड़ियों की फिटनेस और परिस्थितियों के अनुसार खेलने की क्षमता अहम होगी।

आधुनिक क्रिकेट में बड़े शॉट खेलने वाले बल्लेबाजों के बढ़ते प्रभाव और स्पिनरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर नूर ने कहा कि गेंद को हवा में डालना भी स्पिन गेंदबाजों के लिए एक महत्वपूर्ण कला है। इससे गेंद की गति कम करने और बल्लेबाज को चकमा देने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पिचें काफी सपाट होती हैं। ऐसे में स्पिनरों को टिके रहने और प्रभावी बने रहने के लिए हर तरह की विविधता का इस्तेमाल करना पड़ता है।

न्यूजीलैंड पर हार का खतरा मंडराया, भारत से 233 रन पीछे

वेलिंगटन, एजेंसी। भारतीय टीम ने वेलिंगटन टेस्ट के चौथे दिन पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। ऋषभ पंत के तूफानी शतक और ध्रुव जुरेल की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की। इस तरह टीम इंडिया को पहली पारी के आधार पर 352 रन की विशाल बढ़त मिली। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। मेजबान टीम अभी भी भारत से 233 रन पीछे है और उसके सामने टेस्ट मैच बचाने की बड़ी चुनौती है।

पंत ने शतक से बदला मैच का रुख, भारत ने तेजी से बनाए रन

चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया। क्रीज पर ऋषभ पंत 55 रन बनाकर मौजूद थे, जबकि अंशुल कंबोज को अपना खाता खोलना बाकी था। भारत की नजर बड़ी बढ़त हासिल करने पर थी। पंत ने दिन की शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी हुई। अंशुल कंबोज ने 42 गेंदों में 38 रन बनाए। उन्हें ग्लेन फिलिप्स ने डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराया।

इसके बाद पंत को ध्रुव जुरेल का साथ मिला। दोनों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। पंत ने ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर चौका और अगली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उनके शतक पूरा करते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम में जश्न का माहौल बन गया। पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।



भारत ने बनाए कई बड़े रिकॉर्ड

भारतीय टीम की 720 रन की पारी सिर्फ बड़ी बढ़त के लिहाज से ही खास नहीं रही, बल्कि इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। भारत का यह विदेशी धरती पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसके अलावा स्थाह देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय टीम ने अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाया।
इस पारी की एक अौर बड़ी उपलब्धि शुरुआती सात विकेट के लिए लगातार 50 या उससे ज्यादा रन की साझेदारियां होना रही। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 85, केएल राहुल ने 136, देवदत्त पडिक्कल ने 80, शुभमन गिल ने 98 और ऋषभ पंत ने 128 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 78 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज ने 38, वॉशिंगटन सुंदर ने 24 और आकाश दीप ने 13 रन का योगदान दिया।
न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट लिए। रचिन रवींद्र को दो विकेट मिले, जबकि मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी और नाथन स्मिथ ने एक-एक विकेट हासिल किया।

बुमराह ने फिर पहले ओवर में लाथम को किया आउट

352 रन की बड़ी बढ़त मिलने के बाद भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में जल्द समेटने की चुनौती थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई और उन्होंने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को अपना शिकार बनाया। बुमराह ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के शुरुआती ओवर में ही लाथम को ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। लाथम दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। खास बात यह रही कि न्यूजीलैंड की पहली पारी में भी बुमराह ने लाथम को पारी के शुरुआती ओवर में ही आउट किया था।इसके बाद डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा ने निकोल्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। पहली पारी में 175 रन बनाने वाले निकोल्स दूसरी पारी में 59 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने तीन चौके लगाए। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर जांघ से टकराई और शॉर्ट लेग पर खड़े ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया।

जुरेल ने भी खेली शानदार पारी, 720 रन पर घोषित की पारी

ऋषभ पंत के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी की और अपना तीसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। जुरेल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ भी उपयोगी साझेदारी की। वॉशिंगटन सुंदर ने 24 रन बनाए। उन्हें रचिन रवींद्र ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। इसके बाद आकाश दीप ने भी तेज अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने पांच गेंदों में दो छक्कों की मदद से 13 रन बनाए, लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने उन्हें टॉम लाथम के हाथों कैच करा दिया। दूसरी ओर जुरेल ने अपनी पारी जारी रखी। उन्होंने 79 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 78 रन बनाए। 720 के स्कोर पर जुरेल का विकेट गिरते ही कप्तान शुभमन गिल ने भारतीय पारी घोषित कर दी। जसप्रीत बुमराह सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने नौ विकेट पर 720 रन बनाए और पहली पारी में 352 रन की बढ़त हासिल की।

कॉनवे का अर्धशतक, रचिन के साथ संभाली पारी

दो विकेट गिरने के बाद डेवोन कॉनवे और रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। कॉनवे ने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। दिन का खेल समाप्त होने तक कॉनवे 59 रन और रचिन रवींद्र 27 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 59 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 45 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। टीम अभी भी भारत की पहली पारी के स्कोर से 233 रन पीछे है।

पांचवें दिन भारत के सामने पारी से जीत दर्ज करने का मौका

वेलिंगटन टेस्ट का पांचवां दिन बेहद रोमांचक होने वाला है। भारतीय टीम को पारी से जीत दर्ज करने के लिए न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल करने होंगे। वहीं मेजबान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती पूरे दिन बल्लेबाजी करके मैच बचाने की होगी।

भारत के पास 352 रन की विशाल पहली पारी की बढ़त है। ऐसे में अगर भारतीय गेंदबाज शुरुआती सत्र में विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो न्यूजीलैंड पर दबाव और बढ़ सकता है। फिलहाल कॉनवे और रचिन की साझेदारी मेजबान टीम की उम्मीदों को जिंदा रखे हुए है। अब देखना दिलचस्प होगा कि पांचवें दिन भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की दूसरी पारी को कितनी जल्दी समेट पाते हैं या फिर कीवी बल्लेबाज संघर्ष करते हुए टेस्ट मैच बचाने में सफल होते हैं।

आलोचकों को दिया करारा जवाब

पंत बोले- अब छक्कों का जुनून नहीं, निरंतरता है प्राथमिकता

वेलिंगटन। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि अब उनके करियर का लक्ष्य सिर्फ छक्के लगाना या रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि अपने खेल में निरंतरता बनाए रखना और मैदान पर उतरते ही टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करना है। पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का करारा जवाब दिया। पंत ने रविवार को 153 गेंदों पर 128 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने यह भी उपलब्धि हासिल की कि वह स्थाह देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। इसके अलावा वह चारों स्थाह देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज भी हैं।

अब रिकॉर्ड नहीं, निरंतरता पर है ध्यान

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचने के सवाल पर पंत ने कहा कि बचपन में उन्हें खूब छक्के लगाने और बड़े रिकॉर्ड बनाने का शौक था, लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है।

उन्होंने कहा, 'बचपन में निश्चित रूप से मेरे कुछ लक्ष्य हुआ करते थे, जिनमें खूब छक्के लगाना भी शामिल था। लेकिन अब अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं इन चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपने खेल में निरंतरता लाना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, वहां अपना प्रभाव छोड़ना चाहता हूं।'

टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और मेहनत जरूरी

भारतीय टीम ने पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंत ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हर दिन आसान परिस्थितियां नहीं मिलतीं। ऐसे में खिलाड़ियों को धैर्य के साथ लंबे समय तक मैदान पर टिके रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी आपस में बातचीत करते हुए छोटे-छोटे पलों का आनंद लेते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। पंत ने भरोसा जताया कि भारतीय टीम पांचवें दिन न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल कर सकती है।



न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट शतक लगाना था खास

पंत ने न्यूजीलैंड की धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक लगाने को खास उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से यहां शतक लगाने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक अच्छी पारी थी। न्यूजीलैंड एक ऐसी जगह थी, जहां मैं शतक लगाना चाहता था। विकेट पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी और सभी बल्लेबाज अच्छा खेल रहे थे। ऐसे में मेरा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिके रहना और टीम के लिए योगदान देना था।'

छक्के से शतक पूरा करने का रहा है शौक

ऋषभ पंत ने बताया कि वह आमतौर पर छक्का लगाकर शतक पूरा करना पसंद करते हैं, लेकिन इस कोशिश में उन्होंने कई बार अपने शतक भी गंवाए हैं। इस बार उन्होंने धैर्य बनाए रखा और सही मौके का इंतजार किया। पंत ने कहा, 'जब भी मैं शतक के करीब होता हूं, तो कोशिश रहती है कि उसे छक्के से पूरा करूं। हालांकि, इस चक्कर में मैंने कई बार शतक गंवाए भी हैं। इस बार मैं धैर्य रख रहा था। लेकिन जब मिड ऑफ का फील्डर ऊपर आया, तो मुझे लगा कि यह सही मौका है और मैं छक्का लगा सकता हूं।' न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पंत की फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे। साइड स्ट्रेन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाने के कारण वह न्यूजीलैंड में खेले गए भारत ए के मुकाबलों में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। ऐसे में पहले टेस्ट में उनकी 128 रन की पारी भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत और पंत के आत्मविश्वास के लिहाज से अहम साबित हुई।

ओलंपिक मेजबानी की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी उषा

नई दिल्ली। भारत की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी पर दावा जताने के लिए अहम कड़ी आईओसी के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष प्रस्तुतिकरण 26 नवंबर को होने जा रहा है। इस प्रस्तुतिकरण का हिस्सा आईओए अध्यक्ष पीटी उषा भी होंगी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अगुवाई में होने जा रहे इस प्रस्तुतिकरण में सिर्फ उषा ही नहीं बल्कि आईओसी सदस्य नीता अंबानी, एथलीट कमीशन की चेयरपरसन पीवी सिंधू, खेल सचिव हरिरंजन राव, आईओए सीईओ रघु अय्यर, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात के प्रमुख सचिव डॉ. राहुल गुप्ता, गुजरात के शहरी विकास सचिव एम थेन्नारासन हिस्सा होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच आखिरी मुकाबला ड्रॉ टीम इंडिया ने 1-0 से जीती तीन मैचों की सीरीज

ऑकलैंड। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की 'इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी' सीरीज 1-0 से जीत ली। रविवार को खेले गए तीसरे और आखिरी मुकाबले में भारत ने मेजबान न्यूजीलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके साथ ही भारतीय टीम पूरी सीरीज में अजेय रही। भारत ने सीरीज के पहले मुकाबले में 19 नवंबर को न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे और तीसरे मैच में दोनों टीमों के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

पहले हाफ में भारत ने बनाई बढ़त

मेजबान न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। टीम को नौवें मिनट में डायलन थॉमस ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, भारत ने जल्द ही वापसी की। कप्तान संजय ने 16वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके दो मिनट बाद ही कार्थी सेल्वम ने 18वें मिनट में शानदार फील्ड गोल दागकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद अपनी बढ़त कायम रखी और मुकाबले के अंतिम चरण तक बढ़त बनाए रखी।

55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने की बराबरी-मैच के 55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। बेनजी कल्हेन ने फील्ड गोल कर मेजबान टीम को बराबरी पर ला दिया। आखिरी मिनटों में दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की कोशिश की, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2-2 से ड्रॉ समाप्त हुआ।



सैंडपेपर पर नहीं थम रहा विवाद

बॉयकॉट बोले- पूरी टीम ने मिलकर की थी बेईमानी

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में 2018 के चर्चित बॉल टेंपरिंग विवाद यानी 'सैंडपेपरगेट' को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज सर ज्योफ्री बॉयकॉट ने इस मामले को क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया है। उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलिया का यह विवाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान हैंसी क्रोन्ये से जुड़े मैच फिक्सिंग प्रकरण से भी ज्यादा गंभीर था। बॉयकॉट ने आरोप लगाया कि इस साजिश में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि कोचिंग स्टाफ भी शामिल था।

ख्वाजा के दावों को कमिंस ने नकारा

दरअसल, आठ साल पहले 2018 में ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केपटाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। इस विवाद ने पूरी दुनिया में क्रिकेट को शर्मसार कर दिया था। अब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' में किए गए खुलासों के बाद यह मामला फिर चर्चा में है। ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भी इस दावे का समर्थन किया है।



विवाद उस समय और गहरा गया, जब ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने करीब 70 मिनट तक मीडिया के सवालों का जवाब दिया और अपने इस रुख पर कायम रहे कि उन्हें गेंद से छेड़छाड़ की योजना की कोई जानकारी नहीं थी। वहीं, इस मामले में सजा पाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने भी 'द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन' में एक लेख लिखकर ख्वाजा के दावे का समर्थन किया।ज्योफ्री बॉयकॉट ने 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा कि सैंडपेपरगेट विवाद 25 साल से भी पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को हिला देने वाले हैंसी क्रोन्ये के मैच फिक्सिंग मामले से कहीं बड़ा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में उन्होंने इससे बड़ा घोटाला न तो पढ़ा है और न ही देखा है। बॉयकॉट के मुताबिक, क्रोन्ये के मामले में मुख्य रूप से कुछ युवा खिलाड़ियों हर्शल गिब्स और हेनरी विलियम्स को अपनी साजिश में शामिल किया गया था। टीम के बाकी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को इसकी जानकारी नहीं थी। इसके उलट, सैंडपेपरगेट में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम और कोचिंग स्टाफ की भूमिका होने का दावा किया गया है।उन्होंने लिखा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी और कोच इस योजना में पूरी तरह शामिल थे। इसके बाद मामले को छिपाने की कोशिश की गई और तीन खिलाड़ियों को ही इसका जिम्मेदार ठहराकर बाकी लोगों को बचा लिया गया। बॉयकॉट ने इसे हैरान करने वाला और अविश्वसनीय बताया। बॉयकॉट ने इस विवाद में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर को मिली सजा को भी कम बताया। उनका मानना है कि दोनों खिलाड़ियों पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह कोई अचानक हुई घटना नहीं थी, बल्कि दो टेस्ट मैचों में जीत हासिल करने के लिए सुनियोजित तरीके से गेंद से छेड़छाड़ की कोशिश की गई थी।

कोटा में भीषण सड़क हादसा : 9 श्रद्धालुओं की मौत, 6 घायल

जयपुर, एजेंसी। कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2:00 बजे एक भीषण सड़क हादसे में नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब महाराष्ट्र के एक ही परिवार के पंद्रह सदस्यों को लेकर जा रही एक तेज रफ्तार क्रूजर गाड़ी शंभूपुरा गांव के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। ये सभी श्रद्धालु राजस्थान में खाटू श्यामजी के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे।

दिल्ली से कश्मीर तक दवाओं की अवैध सप्लाई के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

- एनसीबी ने पांच लाख से ज्यादा की टैबलेट, कैप्सूल और दवाओं की बोतलें की बरामद

जम्मू, एजेंसी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जम्मू जोनल यूनिट ने दिल्ली जोनल यूनिट के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली से कश्मीर घाटी तक फार्मास्युटिकल दवाओं की अवैध सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में दिल्ली के शाहदरा में एक गुप्त गोदाम से पांच लाख से ज्यादा टैबलेट, कैप्सूल और कई दवाओं की बोतलें बरामद की गई हैं। एनसीबी के मुताबिक विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर 16 नवंबर 2026 की तड़के जम्मू यूनिट ने उधमपुर जिले के चेनानी स्थित माडा टोल प्लाजा के पास श्रीनगर जा रही एक यात्री बस को रोककर तलाशी ली। इस दौरान डोडा जिले के भद्रवाह निवासी एक व्यक्ति से करीब 7 किलोग्राम कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया। इसके बाद मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच में कश्मीर घाटी में कार्रवाई करते हुए अनंतनाग जिले के एक शख्स को पकड़ा, जिसे इस खेप का मुख्य प्राप्तकर्ता बताया जा रहा है। सप्लाई लिंक की जांच दिल्ली तक पहुंचने पर एनसीबी जम्मू और दिल्ली की संयुक्त टीम ने दिल्ली में इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया और 18 नवंबर को 356 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया।



राम कथा सुन लौटे 500 से ज्यादा पाकिस्तानी हिंदू, विदाई के समय भावुक दिखे राजा भैया

- पीएम मोदी से भारतीय नागरिकता की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग

प्रतापगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कुडा में तीन दिन तक श्रीराम कथा में शामिल होने के बाद पाकिस्तान से आए 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी रविवार को वापस लौट गए। विदाई के दौरान माहौल भावुक हो गया। शरणार्थियों के साथ कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से आए ये लोग उनके लिए पराए नहीं, बल्कि अपने ही घर आए हैं।
कुंडा में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा का आयोजन किया गया था। इसमें शामिल होने के लिए पाकिस्तान से 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी पहुंचे थे। तीन दिनों तक इन परिवारों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था आयोजकों की ओर से की गई। इस दौरान उन्होंने कथा में हिस्सा लेने के साथ स्थानीय लोगों से मुलाकात की। रविवार को जब इन परिवारों की वापसी का समय आया तो कई लोग अपने मेजबानों से बिछड़ते समय भावुक नजर आए। महिलाएं और अन्य लोग स्थानीय लोगों से मिले अपनत्व को याद करते हुए भावुक हो गए। विदाई के समय राजा भैया भी वहां पहुंचे और शरणार्थियों से मुलाकात कर उनसे बातचीत की। इस दौरान वह भी भावुक नजर आए।
पाकिस्तान से आए परिवारों ने कहा, कुंडा में बिताए गए तीन दिन उनके लिए बेहद खास रहे। यहां उन्हें रहने और खाने की सुविधा मिली और श्रीराम कथा में शामिल होने का अवसर मिला। स्थानीय लोगों के व्यवहार और अपनत्व ने भी उन्हें प्रभावित किया। विदाई के दौरान इन परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत की नागरिकता देने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मांग भी की।

देश के कई राज्यों में बढ़ी ठंड, राजस्थान के 6 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे

मध्यप्रदेश के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट, यूपी के 24 जिलों में छाया घना कोहरा

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। फतेहपुर में सबसे कम 6.1 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। सीकर में 7.7, उदयपुर में 8.7 और चूरू में 9.5 डिग्री पारा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के चलते बारिश होने और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मौसम बदल गया है। मध्यप्रदेश के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है। उज्जैन में ठंड के चलते आठवीं तक के स्कूलों का समय बदलकर सुबह 9 बजे के बाद कर दिया गया है। बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में पटना समेत 9 जिलों में बारिश दर्ज की गई। यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। वहीं, झारखंड में खराब मौसम के कारण शनिवार को रांची एयरपोर्ट पर 20 फ्लाइट रद्द और चार को डायवर्ट किया गया।
सर्दी बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। राजस्थान के बीकानेर में एक्यूआई 311, भिवाड़ी में 301 में दर्ज किया गया। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता



शनिवार को भी 'खराब' बनी रही। एक्यूआई 265 दर्ज किया गया। दरअसल, सर्दी में हवा ठंडी और भारी होने लगती है, उसकी रफ्तार भी कम हो जाती है। इससे प्रदूषक कण जमीन के पास जमा होने लगते हैं। यही वजह है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में पराली जलाने से उठा धुआं पश्चिमी राजस्थान तक पहुंच रहा है।
रेगिस्तानी इलाकों में रात को तापमान तेजी से गिरता है। इससे थर्मल इन्वर्जन की स्थिति बन सकती है। इस दौरान प्रदूषक कण और धुआं ऊपर फैलने के बजाय निचली हवा में ही फंसे रहते हैं। हवा की ऊपरी परत गर्म होने से प्रदूषण को फैलने का रास्ता नहीं मिलता। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश से आ रही सर्द हवाओं से राजस्थान में ठंड बढ़ने लगी है।
चक्रवाती तूफान 'अकवान' और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में ठंड बढ़ गई है। रविवार को 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, शाजापुर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। वहीं यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। संभल, मुजफ्फरनगर, देवरिया और बुलंदशहर समेत कई जिलों में विजिबिलिटी कम रही। ग्रामीण इलाकों में 10 मीटर दूर तक देखना मुश्किल हो गया। हरदोई में रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मुलायम सिंह की जयंती पर सपा दफ्तर में हुआ सुंदरकांड का पाठ

- अखिलेश बोले- सपा सरकार बनी तो बढ़ा देंगे यश भारती की सम्मान राशि

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर रविवार को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में सुंदरकांड का पाठ किया गया। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अपने पिता और पार्टी संस्थापक को याद करते हुए कहा कि नेताजी सबको साथ लेकर चलने का सिद्धांत देकर गए हैं और समाजवादी पार्टी इसे आगे बढ़ाती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार बनी तो यश भारती की सम्मान राशि बढ़ाई जाएगी।
अखिलेश यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव के पास जो भी मदद के लिए आया, उन्होंने उसकी सहायता की। उन्होंने कहा कि पार्टी पीडीए आंदोलन को आगे बढ़ाएगी और जो लोग रूठे हुए हैं, उन्हें मनाने का प्रयास करेगी। साथ ही जो लोग पार्टी से अलग हो गए हैं, उन्हें भी साथ लाने की कोशिश की जाएगी। अखिलेश यादव ने घोषणा की कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर यश भारती सम्मान की राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी जाएगी। उन्होंने उन बच्चों के प्रति आभार जताया, जो समाजवादी पार्टी की सरकार में लैपटॉप मिलने की बात स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के दौरान केटीएमयू और राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट के डॉक्टरों को पीजीआई की तरह सुविधाएं देने का काम किया गया था।
इस अवसर पर अखिलेश ने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार कम देगी और ज्यादा छीनेगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के हाथ में विकास की रेखा होती है, जबकि कुछ के हाथ में विनाश की।
सीएम योगी ने श्रद्धांजलि अर्पित की
मुलायम सिंह यादव की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी ने उन्हें पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पद्म विभूषण से सम्मानित नेता बताया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी उन्हें याद किया। गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव ने 1992 में समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी। वह तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और देश के रक्षा मंत्री भी रहे। उनका जन्म 22 नवंबर 1939 को इटावा के सैफई में हुआ था। 10 अक्टूबर 2022 को 82 वर्ष की उम्र में उनका निधन हुआ था।

जज की जगह ओवैसी को गार्ड ऑफ ऑनर, जांच के आदेश

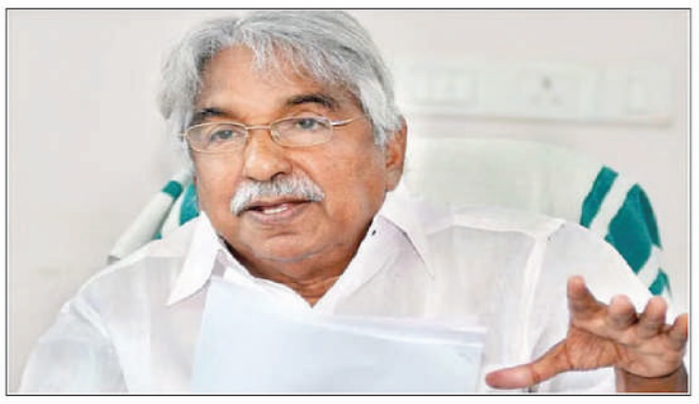
- सहारनपुर में प्रोटोकॉल में बड़ी लापरवाही

प्रतापगढ़, एजेंसी। सहारनपुर(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया है, जहाँ शनिवार को पुलिसकर्मियों ने एक न्यायाधीश को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर को गलती से एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी को दे दिया। इस गंभीर प्रोटोकॉल में लापरवाही के बाद, जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। एक पुलिस अधीक्षक को इस मामले की विस्तृत जांच सौंपी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह गलती किन परिस्थितियों में और कैसे हुई।
यह घटना सहारनपुर सर्किट हाउस में घटी, जब सांसद ओवैसी आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के घर छुटमलपुर जाने से पहले वहां पहुंचे थे। पुलिस प्रोटोकॉल के तहत एक न्यायाधीश के आगमन की तैयारी चल रही थी, जिन्हें सहारनपुर के एक गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन न्यायाधीश के आने से पहले ओवैसी के पहुंचने पर, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें आते ही औपचारिक सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दे दी, जिसे ओवैसी ने भी बड़े ही सहज भाव से पुलिसकर्मियों के सामने सावधान की मुद्रा में खड़े होकर स्वीकार कर लिया। हालांकि, सलामी के कुछ ही देर बाद पुलिसकर्मियों को अपनी गलती का अहसास हुआ। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अपनी सहारनपुर यात्रा के दौरान ओवैसी ने कई राजनीतिक मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून के बजाय बंदूक का राज चल रहा है। भाजपा की बी टीम होने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के गठन की बात कही और दावा किया कि सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा को हराने में सक्षम नहीं है। इसके बाद, ओवैसी ने छुटमलपुर में चंद्रशेखर आजाद के आवास पर भोजन किया और छत से समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान एआईएमआईएम, आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुटी रही। ओवैसी ने समर्थकों से पूछा कि क्या वे चंद्रशेखर को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं, जिस पर भारी भीड़ ने नारेबाजी कर समर्थन जताया।

गलती सुधार कांग्रेस में वापसी करने वालों का हो स्वागत: चांडी ओमन

कांग्रेस विधायक बोले- पार्टी छोड़कर भाजपा में गए कई लोग वापस आना चाहते हैं, सभी के लिए समान नियम हों

तिरुवनंतपुरम , एजेंसी । कांग्रेस विधायक चांडी ओमन ने रविवार को कहा कि अपनी गलतियां सुधारकर पार्टी में लौटने के इच्छुक सभी लोगों का स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी में वापसी के लिए किसी एक व्यक्ति के लिए अलग नियम नहीं होना चाहिए। उनका यह बयान पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण की बेटी और स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन की बहन पद्मजा वेणुगोपाल के कांग्रेस में लौटने की इच्छा जताने के सवाल पर आया।
पद्मजा वेणुगोपाल ने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस में वापस आने की इच्छा जाहिर की है। इसी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए चांडी ओमन ने कहा कि जो लोग अपनी



गलतियों को सुधारकर कांग्रेस में लौटना चाहते हैं, उन्हें मौका मिलना चाहिए। चांडी ओमन ने कहा कि यह अवसर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में गए सभी लोगों के लिए समान नियम होने चाहिए। उन्होंने कहा कि गलतियों को सुधारने के बाद कोई भी कांग्रेस में वापस आ सकता है और पार्टी को ऐसे लोगों का स्वागत करना चाहिए।
कांग्रेस विधायक ने दावा किया कि भाजपा में शामिल होने वाले कई अन्य लोग भी अब पार्टी में वापस लौटने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को भाजपा में वहां की स्थिति का एहसास हो गया होगा और इसी वजह से वे कांग्रेस में लौटने का फैसला कर रहे हैं। चांडी ओमन ने कहा कि कांग्रेस में लौटने वाले लोगों को अगले पांच साल तक पार्टी के लिए काम करने का अवसर दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक पार्टी में वापसी करने वालों को संगठन को मजबूत करने में योगदान देना चाहिए।

नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने किया जमकर हंगामा

- बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े, तेजस्वी और लालू यादव जिंदाबाद के लगाए नारे

वैशाली, एजेंसी । बिहार के वैशाली में नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। पीएम मोदी और अन्य अतिथियों के लौटते ही कार्यकर्ताओं ने पुल पर बवाल मचा दिया। राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु और बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े और प्रदर्शन किया। शनिवार को राजद नेता तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। वीडियो में राजद के कार्यकर्ता तेजस्वी यादव जिंदाबाद और लालू यादव जिंदाबाद के नारे लगाते नजर आ रहे हैं। नीतीश सेतु पर आरजेडी कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे भी लहराए। वीडियो में आरजेडी कार्यकर्ता बीजेपी के झंडों को कुचलते हुए नजर आ रहे हैं। शनिवार को पीएम मोदी के रवाना होते ही पुल को जनता के लिए खोल दिया गया था, जैसे ही पुल खोला गया, राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु पर पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया। नीतीश सेतु को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। तेजस्वी ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि इस पुल का नाम सिख धर्म के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह महाराज के नाम पर रखा जाना चाहिए था लेकिन बीजेपी सरकार ने राजनीति के चलते ऐसा नहीं होने दिया। तेजस्वी ने इसे बीजेपी की संकीर्ण सोच बताया। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी भी हमलावर है। पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि अगर बिहार सरकार नीतीश कुमार को सम्मान देना चाहती है तो इसके लिए दूसरे तरीके भी हो सकते थे।

भारत-चीन के बीच टकराव को कम करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा, कमांडर स्तर की 10 दिन तक चलीं बैठकें

नई दिल्ली , एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर कड़ाके की ठंड की शुरुआत से ठीक पहले भारत और चीन के बीच दूसरे दौर की कोर कमांडर स्तर की सैन्य वार्ता पूरी हो गई है। दिवाली के बाद 8 नवंबर को शुरू हुई यह बेहद गोपनीय बातचीत करीब दस दिनों तक चली। इसका मुख्य उद्देश्य सीमा पर बढ़ते तनाव को कम करना और दोनों देशों के बीच संवाद के रास्ते खुले रखना था। इस वार्ता में भारतीय पक्ष का नेतृत्व सेना की तीसरी कोर (स्पीयर कोर) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया। इस कोर का मुख्यालय नागालैंड के दीमापुर के पास रंगापहाड़ में है। उनके साथ चीनी सेना के प्रतिनिधिमंडल के अलावा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय का एक प्रतिनिधि भी शामिल रहा।
सूत्रों के मुताबिक, बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच संपर्क के नियम तय करना था। इसके अलावा, सीमा के पास सैनिकों के आमने-सामने आने से होने वाले टकराव को टालना भी महत्वपूर्ण था। इस क्षेत्र में दोनों देशों ने बड़ी संख्या में सैनिक तैनात कर रखे हैं। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि जिन बातों पर सहमति बनी है उन्हें भीषण सर्दी शुरू होने से पहले जमीन पर लागू किया जा सकेगा या नहीं, क्योंकि इस दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों के लिए रसद पहुंचाना बेहद कठिन हो जाता है। पूर्वी सेक्टर में भारत और चीन के बीच पहले दौर की कोर कमांडर स्तर की वार्ता इसी साल 6 और 7 सितंबर को वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर हुई थी। किबिथू सेक्टर में स्थित वाचा भारत का सबसे पूर्वी सीमा पर मीटिंग पॉइंट है। यह बैठक ऊपरी सुबनसिरी जिले के ताकसिंग इलाके में तनाव की खबरों के बाद बुलाई गई थी। इससे पहले अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने बीजिंग में सीमा विवाद को लेकर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक की थी। सीमा पर विवाद का एक बड़ा कारण 1914 में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के बीच तय हुई मैकमोहन रेखा को चीन द्वारा मान्यता न देना है। अक्टूबर में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों का आमना-सामना हुआ है। इस पर विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि जब चीनी सैनिक तय गश्त के नियमों से भटकते हैं तो एलएसी पर स्थिति समय-समय पर बिगड़ जाती है। मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है।



संसद का मानसून सत्र बना नया रिकॉर्ड: 100 दिन बाद भी नहीं हुआ सत्रावसान

सत्रावसान नहीं होने को लेकर चिंतित विपक्ष, लग रही साजिश

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय संसद का हालिया मानसून सत्र एक नया और अभूतपूर्व रिकॉर्ड बना चुका है। सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 100 दिन से भी अधिक हुए हैं, लेकिन अब तक औपचारिक रूप से समाप्त (सत्रावसान) नहीं किया गया है। इससे पहले, वर्ष 2008 में संसद का एक सत्र बिना औपचारिक समापन के 87 दिनों तक चला था, जो अब तक का सबसे लंबा अंतराल था।
यह मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और लोकसभा व राज्यसभा दोनों की कार्यवाही को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब जबकि शीतकालीन सत्र की घोषणा का समय करीब आ चुका है, इस लंबे अंतराल ने सभी का ध्यान खींचा है। इस असाधारण देरी के पीछे महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए प्रस्तावित परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर संसद का एक विशेष या विस्तारित सत्र बुलाने की संभावना भी एक बड़ा कारण मानी जा रही है, हालांकि सरकार ने अभी तक इसकी तारीख और अवधि घोषित नहीं की है। प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत, परिसीमन के माध्यम से लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का मार्ग प्रशस्त करना है। दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने के लिए, सरकार हर राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ाने या 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही है, हालांकि इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। इस बीच, दिसंबर के पहले हफ्ते में शीतकालीन सत्र शुरू होने की संभावना है। मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम दो दिन का नोटिस देना आवश्यक होता है, जबकि एक नया सत्र बुलाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस देना पड़ता है। ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि संविधान में किसी सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के कितने समय बाद उसका सत्रावसान होना चाहिए, इसकी कोई तय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इसलिए, लंबे समय तक सत्रावसान न करना अपने आप में किसी संवैधानिक या प्रक्रियागत नियम का उल्लंघन नहीं माना जाता।
हालिया मानसून सत्र में संसद की उत्पादकता काफी कम रही। लोकसभा की कुल 19 बैठकें हुईं, जिनमें लगभग 114 घंटे कार्यवाही होनी थी। हालांकि, सदन की कार्यवाही केवल 17 घंटे 30 मिनट ही चली, जिससे लगभग 96 घंटे 30 मिनट का समय बर्बाद हुआ। इसी तरह, राज्यसभा में भी 114 घंटे की संभावित कार्यवाही में से केवल 37 घंटे 24 मिनट ही काम हो सका, यानी लगभग 76 घंटे 36 मिनट का समय बिना काम के बीत गया। यह सत्र विभिन्न मुद्दों पर हंगामे और व्यवधानों के कारण चर्चा से अधिक गतिरोध के लिए याद किया जाएगा।

चार मंजिला इमारत में लगी आग, दो बच्चों समेत आठ लोगों को बचाया

मुंबई, एजेंसी । दक्षिण मुंबई में रविवार तड़के चार मंजिला एक आवासीय इमारत में आग लगने के बाद दो बच्चों समेत आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और इस दौरान दमकल विभाग का एक अधिकारी घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नवजीवन सोसाइटी के पास गिलदार लेन स्थित हीरा मंजिल इमारत की दूसरी मंजिल के एक कमरे में आधी रात के आसपास आग लगी और करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों ने बताया कि दमकलकर्मियों ने तीसरी मंजिल पर फंसे एक पुरुष और दो महिलाओं को 'टर्नटेबल लैडर' की मदद से बचाया, जबकि पहली मंजिल से एक बुजुर्ग महिला को सीढ़ियों के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि चौथी मंजिल के एक कमरे में मौजूद एक पुरुष, एक महिला, एक लड़के और एक लड़की को भी सीढ़ियों के रास्ते निकाला गया।

तमिलनाडु में वीएस बाबू के निधन से खाली हुई कोलाथुर सीट से स्टालिन लड़ेंगे चुनाव?

-डीएमके के नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा स्टालिन दोबारा इस क्षेत्र से मैदान में उतरें

चेन्नई, एजेंसी । तमिलनाडु की कोलाथुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की संभावना के चलते राजनीति हलचल तेज हो गई है। इस सीट से विधायक रहे वीएस बाबू के निधन के बाद यह सीट खाली हुई है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या डीएमके प्रमुख और पूर्व सीएम एमके स्टालिन एक बार फिर इसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। विधानसभा चुनाव में वीएस बाबू ने स्टालिन को हराकर बड़ा राजनीतिक उलटफेर किया था।
कोलाथुर सीट लंबे समय तक एमके स्टालिन का मजबूत राजनीतिक क्षेत्र रही है। वह 2011 से लगातार इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, लेकिन हालिया विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके के उम्मीदवार वीएस बाबू ने उन्हें 8,795 मतों से पराजित कर दिया था। इस हार के साथ स्टालिन का लगातार जीत का सिलसिला टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीएस बाबू के निधन के बाद यह सीट फिर से चुनावी मुकाबले का केंद्र बन गई है। डीएमके के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि स्टालिन उपचुनाव में दोबारा इस सीट से मैदान में उतरें। पार्टी के सांसद सी रविंद्रन ने भी कहा है कि कार्यकर्ता अपने नेता



को कोलाथुर से चुनाव लड़ते देखना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बारे में अंतिम फैसला स्टालिन को ही करना है। आगामी उपचुनाव डीएमके और टीवीके दोनों के लिए अहम माना जा रहा है। डीएमके के पास इस सीट के जरिए अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस पाने का अवसर होगा। यदि स्टालिन खुद चुनाव लड़ते हैं और उन्हें फिर हार का सामना करना पड़ता है, तो इसका राजनीतिक असर उनकी पार्टी पर पड़ सकता है। दूसरी ओर टीवीके के लिए अपनी पिछली जीत को दोहराना चुनौती होगी। विधानसभा चुनाव में मिली बड़ी जीत के बाद उपचुनाव से यह भी पता चलेगा कि विजय की पार्टी अपना जनसमर्थन बनाए रखने में कितनी सफल रही।